भाद्रपद शुक्ल पक्ष सप्तमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 57 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 अगस्त 2025 शनिवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बुलेट ट्रेन पर सवार हुए मोदी, कल पहुंचेंगे चीन

टोक्यो, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जापान दौरे के दूसरे दिन एडवांस बुलेट ट्रेन देखी व इसमें सफर किया। इसके लिये वे मियागी प्रांत के सेंडाई पहुंचे। यहां उनके साथ जापान के पीएम शिगेरू इशिबा भी मौजूद थे। इस दौरान मोदी ने भारत के ट्रेन ड्राइवरों से मुलाकात भी की। इन्हें जापान का ईस्टर्न रेलवे ट्रेनिंग दे रहा है। ये भारत में चलने वाली बुलेट ट्रेनों को चलाएंगे। इससे पहले मोदी ने भारत-जापान समिट में हिस्सा लिया और दोनों देशों में 150 समझौते हुए। जापानी पीएम ने भारत में अगले 10 साल में 6 लाख करोड़ रुपए निवेश की बात भी कही। आज जापान दौरा खत्म करके मोदी चीन जाएंगे। वे कल रविवार को एससीओ समिट में शामिल होंगे। इस दौरान मोदी चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे।

भारत में 5 साल इंतजार

भारत में बुलेट ट्रेन 2030 तक बनकर तैयार हो जाएगी। इसकी टॉप स्पीड 400 किमी/घंटा होगी। बताया जाता है कि जापान और भारत इस एडवांस बुलेट ट्रेन को एक साथ पटरी पर उतारने की तैयारी में हैं। भारत में इन्हें मुंबई से अहमदाबाद के बीच बन रहे हाईस्पीड रेड कॉरिडोर पर चलाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जापान सरकार भारत को 2 बुलेट ट्रेन (ई3 और ई5) भी गिफ्ट करेगी।

स्वदेशी से स्वावलंबन पर शुरू हुआ विमर्श, सीएम ने कहा- समाज की जागृति का अपना कल्चर

स्वदेशी के दम पर हर परिस्थिति से निपटेंगे, शासन की मजबूती जरूरी

भोपाल/ग्वालियर, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज फिर स्वेदशी पर जोर दिया है। उन्होंने राजधानी में स्वदेशी से स्वावलंबन संगोष्ठी व प्रदर्शनी में हिस्सा लिया व कहा कि हमारे पास कई स्वदेशी विकल्प हैं। इनके दम पर हम हर परिस्थिति से निपट सकते हैं। सीएम ने कहा कि हमने तय किया है कि उद्योगों को बढ़ावा देंगे, लेकिन जो रोजगार देगा उसको विशेष लाभ देंगे। ऐसे उद्योगों में रोजगार पाने वाले युवाओं को पांच हजार रुपए महीना दस साल तक सरकार देगी। उन्होंने कहा कि हर सरकार की अपनी पॉलिसी होती है, लेकिन समाज की जागृति भी जरूरी होती है। स्वदेशी जागरण मंच के साथ सरकार स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम करती रहेगी।

उन्होंने कहा कि हमारे जीवन से लेकर समाज की जागृति का अपना कल्चर है। सभी संघर्षों से हम बाहर निकलकर आते हैं। आजादी के पहले से स्वदेशी के विचार के बलबूते पर अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी जा रही थी पर तब इस लड़ाई में गणपति नहीं आए थे। फिर बाल गंगाधर तिलक ने जो लड़ाई लड़ी, वह देश जानता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन जहां से मैं विधायक हूं, वहां 1235 में हम कमजोर थे तो महाकाल का मंदिर तोड़ दिया गया। शासन मजबूत हुआ तो ढाई साल में महाकाल का मंदिर बन गया। बनारस में पीएम नरेंद्र मोदी ने नया कॉरिडोर बनाया।

पर्यटन के लिए ग्वालियर में कॉन्क्लेव, कई एमओयू

मुख्यमंत्री आज दोपहर ग्वालियर पहंचे हैं जहां वे राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में शामिल हो रहे हैं। यहां प्रदेश में टूरिज्म को लेकर नई संभावनाओं पर चर्चा होगी और निवेश के अवसरों पर भी मंथन होगा। इस दौरान होटल रिसार्ट, और इको टूरिज्म के क्षेत्र में निवेशकों के साथ सरकार के एमओयू भी होंगे तथा ग्वालियर अंचल की पर्यटन विशेषताओं को लेकर ब्रांडिंग पर विमर्श होगा। इसके बाद सीम छतरपुर रवाना होंगे। जहां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होंगे वे शाम को उनका रोड शो होगा।

उन्होंने काशी में हमारी अलग प्रकार की आस्था बनाई है। हमने उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए भगवान महाकाल के परिवार को आगे लाने का प्रयास किया।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार जन अभियान परिषद के माध्यम से सभी अभियान चलाने में सक्षम है। चाहे मिट्टी के गणेश हों या पानी बचाने का अभियान हो। सारे ऐसे अभियान चले हैं जो समाज को आगे बढ़ाएंगे। स्वदेशी आंदोलन एक बड़ा विषय है। जन अभियान परिषद ऐसे ही जागरूक करे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था भी आगे बढ़ेगी। प्रदेश भी आगे बढ़े और रोजगार भी आगे बढ़े। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। सरकार तो प्रयास करेगी कि जब तक हमारे आचरण में स्वदेशी नहीं आ जाता, तब तक हम अपनी अर्थव्यवस्था को सपोर्ट नहीं कर पाएंगे। संगोष्ठी के दौरान आत्मनिर्भर भारत के लिये लोकल प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा से मांगी पेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पेंशन के लिए आवेदन किया है। धनखड़ 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अजमेर जिले की किशनगढ़ सीट से विधायक चुने गए थे। विधायक रहने के नाते अब उन्हें पेंशन का अधिकार है। धनखड़ इस समय 74 साल के हैं और विधानसभा से लगभग 42 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। राजस्थान में नेताओं के लिए दोहरी और तिहरी पेंशन की व्यवस्था है। यानी यदि कोई व्यक्ति सांसद और विधायक दोनों रह चुका है तो उसे दोनों पदों की पेंशन मिल सकती है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा है कि धनखड़ का पेंशन आवेदन प्राप्त हो गया है, उस पर प्रक्रिया जारी है। गौरतलब है कि धनखड़ ने हाल ही में अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे राजनीतिक हलचल मच गई थी क्योंकि उनका कार्यकाल अभी शेष था।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैर-कानूनी बताया

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

गाली पर नए कनेक्शन से भाजपा के तेवर तीखे, कराई एफआईआर

भोपाल/नईदिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंच से गाली देने वाले मोहम्मद रिजवी उर्फ राजा की गिरफ्तारी के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा की प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने कहा है कि रिजवी राहुल गांधी का खास कार्यकर्ता है। इसके बावजूद इस मामले में राहुल ने न तो खेद प्रकट किया और न ही उसके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई। उल्टे यह कहा जा रहा है कि वह भाजपा का कार्यकर्ता था। अगर ऐसा होता तो वह कांग्रेस के मंच पर कैसे पहुंच गया।

इधर, इस मामले में मप्र कनेक्शन भी जुड़ गया है। इस मामले में सोशल मीडिया पर की जा रही पोस्ट के खिलाफ अनूपपुर में भाजपा कार्यकर्ता ने कोतमा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा कार्यकर्ता नेक मुहम्मद का कहना है कि सोशल मीडिया अकाउंट से मेरी फोटो निकालकर उसे अलग-अलग लोगों की आईडी से गलत तरीके से वायरल किया जा रहा है। जबकि मैं आज तक कभी बिहार नहीं गया और न ही, मैंने किसी नेता व अन्य सामाजिक राजनीतिक व्यक्तियों के विषय में कोई टिप्पणी की है।

दरअसल, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव चंदन यादव ने एक्स पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ भाजपा का गमछा गले में डाले एक युवा की फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि आरोपी रिजवी कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। बल्कि वह भाजपा का फटका ओढ़े हुए दिखता है। यादव ने लिखा कि राहुल की यात्रा से ध्यान भटकाने के लिए गाली कांड को भाजपा का षड्यंत्र ही मानना चाहिए। इधर मप्र भाजपा के संवाद प्रमुख आशीष अग्रवाल ने कहा है कि दरभंगा के जिस मंच से कांग्रेस-आरजेडी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की माता का अपमान किया अब उस पाप को छुपाने के लिए कांग्रेस फेक न्यूज़ फैक्ट्री से गुमराह करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं मप्र के सहप्रभारी चंदन यादव सहित अन्य कांग्रेसी नेता झूठे फोटो शेयर करके अनूपपुर के पार्टी कार्यकर्ता नेक मोहम्मद को मोहम्मद रिजवी उर्फ़ राजा बताकर दरभंगा मामले में फंसाने की साजिश रच रहे हैं। लेकिन कांग्रेस के हर झूठ को बेनकाब करेगा।

राहुल गांधी की यात्रा सारण में, फिर पटना प्रवेश

बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज 14वां दिन है। यह यात्रा सारण से शुरू हुई और भोजपुर तक जाएगी। आज यात्रा में शामिल होने के लिये सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहुंचे हैं। आज की यात्रा के बाद 31 अगस्त को ब्रेक रहेगा। फिर 1 सितंबर को पटना में यात्रा का आखिरी दिन होगा।

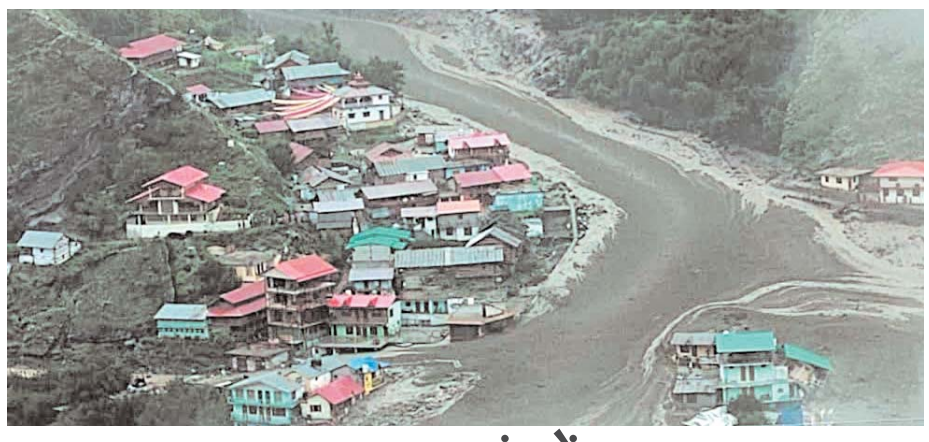

जम्मू व उत्तराखंड में आपदा

बादल फटने से 12 मौतें, मलबे में कईयों के दबे होने की आशंका

जम्मू, एजेंसी

आज सुबह जम्मू-कश्मीर के रियासी के बदर गांव में जबर्दस्त लैंडस्लाइड हुआ है। इसके मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग लापता हैं। यहां रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि काफी दिनों से जम्मू,उत्तराखंड व हिमाचल में बादल फटने व लैंडस्लाइड की घटना लगातार हो रही हैं। बीती रात हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटा है जिससे कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में भी लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को भी खाली कराया गया। उत्तराखंड के चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में बीती रात बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई और 11 लापता हैं। बागेश्वर के कपकोट में कई घरों को भी नुकसान हुआ है। उधर पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में कई दिनों से बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। यूपी के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। वाराणसी में सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूटा है। मध्यप्रदेश में कई जिलों में तेज बारिश का दौर है। इंदौर में यशवंत सागर डैम का एक गेट खोला गया है। बड़वानी में राजघाट गांव सरदार सरोवर बांध में बैकवाटर में डूब गया। खरगोन में 24 घंटे में 6 इंच पानी गिरा। बैतूल में गूगल मैप देखकर जा रहे कार सवार उफनती नदी में बह गए। गोताखोरों ने उन्हें बचाया।

मेट्रो एंकर | 17 साल से बंद है वार्ता, अब बैकफुट पर आया पाक

भारत ने बढ़ाए जापान-चीन से डायलॉग तो पाकिस्तान को याद आने लगा संवाद

इस्लामाबाद, एजेंसी

भारत लगातार वैश्विक मंचों पर अपनी ताकत बढ़ा रहा है। जापान के साथ सेमीकंडक्टर और बुलेट ट्रेन की साझेदारी, चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन में अहम उपस्थिति और रूस के साथ मजबूत सामरिक रिश्ता, हरतरफ भारत की साख बढ़ रही है, लेकिन इसी बीच पाकिस्तान का सुर बदल गया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि उनका देश भारत के साथ सम्मानजनक और गरिमामय तरीके से 'कंपोजिट डायलॉग' के लिए तैयार है। सभी लंबित मुद्दों, जिनमें कश्मीर भी शामिल है, पर बातचीत हो सकती है. हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान 'भीख मांगकर' बातचीत नहीं करेगा। डार का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान से बातचीत केवल आतंकवाद और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर की वापसी पर होगी।

उल्लेखनीय है कि दोनों देश में 03 में कंपोजिट डायलॉग शुरू हुआ था, जब परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे। इसमें दोनों देशों के बीच सभी विवादित मुद्दे शामिल थे। लेकिन 08 के मुंबई हमले के बाद यह प्रक्रिया ठप हो गई। डार ने दावा किया कि हालिया संघर्ष में पाकिस्तान की 'कूटनीति' को दुनिया ने स्वीकारा है। उनका इशारा मई महीने में हुए टकराव की ओर था। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर प्रिसिजन स्ट्राइक की तो पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। तब भारत ने पलटवार करते हुए कई पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। डार का दावा है इस टकराव में पाकिस्तानी सेनाओं ने जमीन और आसमान दोनों पर अपनी क्षमता दिखाई। अगर भारत ने भविष्य में किसी भी तरह की आक्रामकता की, तो पाकिस्तान समुद्र से भी जवाब देने को तैयार है।

इस दबाव की वजह दूसरी...

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की रूस, जापान और चीन के साथ तेजी से बढ़ती साझेदारियों और अमेरिका की टैरिफ नीति के बावजूद उसकी कूटनीतिक मजबूती को देखकर पाकिस्तान दबाव में है. शायद यही वजह है कि इशाक डार अब बातचीत का राग अलाप रहे हैं. भारत की तरफ से हालांकि पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि आतंकवाद खत्म किए बिना और पाक लौटाए बिना किसी 'नए अध्याय' की शुरुआत संभव नहीं है।

आज का कार्टून

राजधानी में गणेशोत्सव की धूम

भोपाल। राजधानी में गणेशोत्सव की धूम है। जगह-जगह विराजे श्रीगणेश की भक्त पूजन और अचर्ना कर रहे है।

कई गणेश पंडाल नहीं ले रहे बिजली के अस्थाई कनेक्शन

तीन फीसदी से भी कम

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में नियमों पालन नहीं हो रहा है। शहर में अब तक 100 से ज्यादा गणेश पांडालों ने बिजली के अस्थाई कनेक्शन लिए हैं। शहर में स्थापित करीब 3400 गणेश पंडालों की तुलना में यह तीन फीसदी से भी कम है। जिन गणेशोत्सव समितियों ने बिजली का वैध कनेक्शन नहीं लिया उनकी पहचान और पड़ताल करके बिजली कंपनी अपनी टीम वहां सुझाव देने पहुंचा रही है। कंपनी की टीम सुरक्षा जांच करने के साथ ही समिति सदस्यों को अस्थाई कनेक्शन लेकर रोशनी करने की समझाइश दे रही है। दो दिन बाद से कार्रवाई की जाएगी। बिजली एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लोड के आधार पर जुर्माना तय होगा।

बिजली कर्मचारियों ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ ने अपनी 6 सूत्रीय राष्ट्रीय मांगों को लेकर भोपाल सहित प्रदेश के सभी जिला मुयालयों पर शांतिपूर्ण जुलूस प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश नागर ने बताया कि ज्ञापन में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक सेवा नियम, विद्युत क्षेत्र में नई त्रिपक्षीय औद्योगिक समिति का गठन, निजीकरण पर रोक, ठेका और आउटसोर्स प्रथा का उन्मूलन व विद्युत अधिनियम 2003 और संशोधन विधेयक 2023 पर पुनर्विचार जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं। महासंघ का कहना है कि बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के अधिकार और सुरक्षा को सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। महासंघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजधानी में एडीएम प्रकाश नायक के माध्यम से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपा। यह कदम महासंघ के 12-13 अप्रेल को रायपुर में हुए 18वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में लिए गए निर्णय के तहत आंदोलन के प्रथम चरण का हिस्सा है।

'युवा आगाज - युवा आवाज मप्र युवा सम्मेलन 2025'

'जब पुरुषों की सोच बदलेगी, तभी खुलेगी समानता की राह'

भोपाल, दोहपर मेट्रो

युवाओं की आवाज को हाशिये से मुख्यधारा में लाने और 'युवा एजेंडा' का निर्माण करने के उद्देश्य से रविंद्र भवन में 'युवा आगाज - युवा आवाज मध्यप्रदेश युवा सम्मेलन 2025' शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, जॉन किंग्सली सहित अन्य शामिल हुए। दो दिवसीय सम्मेलन में 300 से अधिक युवा, 70 वक्ता और विभिन्न हितधारक भाग ले रहे हैं।

पहले दिन युवाओं की आकांक्षाएं और चुनौतियां, कौशल और उद्यमिता, लैंगिक समानता और पुरुषत्व, अंतर्संबंधित पहचान, डिजिटल दुनिया में युवाओं की भूमिका, जलवायु संकट और सार्वजनिक स्थलों पर युवाओं की भागीदारी जैसे अहम विषयों पर चर्चाएं हुईं। विमल जाट ने कहा 'यह सम्मेलन युवाओं की आवाज को हाशिये से मुख्यधारा में लाने और उन्हें बदलाव का निर्माता मानने की दिशा में एक अहम कदम है।' कार्यक्रम में कई सत्र हुए, जिसमें युवाओं, आशाएं, चुनौतियां और संभावनाएं के बारे में चर्चा हुई।

कार्यक्रम के पहले सत्र में वर्धना पुरी ने कहा कि 'अगर युवाओं को समान अवसर मिलें तो वे समाज के सबसे बड़े परिवर्तनकारी साबित हो सकते हैं।' कार्यक्रम में प्रदीप घोष ने कहा कि हमें युवाओं की क्षमता को सामने लाने के लिए सहायक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा।' कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कौशल, भविष्य की तैयारी और उद्यमिता- युवाओं के लिए नए रोजगार और उद्यमिता के अवसरों पर विमर्श हुआ। इस सत्र में युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि अवसर पैदा करने वाल बनाने पर जोर दिया गया। वहीं कार्यक्रम का तीसरा सत्र लैंगिक असमानता और पुरुषत्व पर आधारित था। इस सत्र में समाज में पितृसत्ता और पुरुषत्व की रूढ़िवादी धारणाओं को चुनौती देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मनक माटियानी ने कहा कि 'समानता की राह तभी खुलेगी जब हम लड़कों और पुरुषों की सोच बदलेंगे। विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि 'मध्यप्रदेश का भविष्य युवाओं के नवाचार और उनके नेतृत्व पर आधारित है।

रेल्वे अतिरिक्त जमीन देगा, फिर नया निर्माण होगा,तब तक आमजन करेंगे इंतजार

90 डिग्री का दोष हटाने के लिए अब रेडियस बढ़ाने की कवायद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

काफी समय तक जग हंसाई के बाद 90 डिग्री वाले ऐशबाग आरओबी की खामी दूर करने के तरीके खोज लिये गये हैं। केंद्रीय एक्सपर्ट कमेटी ने इस ब्रिज का निरीक्षण कर रेडियस बढ़ाने पर जोर दिया है। दरअसल अभी इसका रेडियस महज 6 मीटर है। इसे बढ़ाकर 16.7 मीटर करना जरूरी माना गया है। इसके लिए कमेटी ने आरओबी का हर एंगल से जायजा लिया उनके साथ रेलवे के इंजीनियर भी थे। रेलवे ने भी इसके लिये अतिरिक्त जमीन देने पर सहमति दे दी, जिसके बाद रेडियस बढ़ाने का निर्णय लिया गया। योजना के अनुसार, पुल बोगदा की ओर जाने वाले हिस्से में बाईं तरफ वॉल को डिजाइन कर घुमाव दिया जाएगा और दाईं तरफ रेडियस बढ़ेगा।

रेडियम बढ़ाने बनाने होंगे दो पियर

जानकारी के मुताबिक रेडियस बढ़ाने के लिए अब दो पियर बनाने होंगे। कमेटी अगले दो दिन में फाइनल ड्राफ्ट तैयार करेगी। रेलवे व सभी सदस्यों की सहमति के बाद काम शुरू किया जाएगा। बताया जाता है कि कमेटी के निरीक्षण में ढलान पर चर्चा नहीं हुई, जबकि आरोप पत्र में ढलान की खामी स्पष्ट लिखी है। आरोप है कि जीएडी (जनरल अरेंजमेंट डिजाइन) बनाते समय रेडियस, कर्व और टर्निंग के साथ ढलान पर ध्यान नहीं दिया गया।

खामियां उजागर होने के बाद बनाई गई कमेटी

ऐशबाग एप्रोच रोड में झुकाव 1:26 रखा गया है, जबकि यह 1:30 होना था। इससे ढलान ज्यादा हो गई और आरओबी असुरक्षित माना जाने लगा। ऐसी कई खामियां सामने आने के बाद 18 जुलाई को लोक निर्माण विभाग द्वारा एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई थी। इसमें सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) की ब्रिज डिवीजन के एचओडी राजीव गोयल को अध्यक्ष और 4 सदस्य बनाए गए थे। हालांकि इस पूरी कवायद के चलते जनसुविधा के लिये तैयार किया गया यह ब्रिज अब फिर लोकार्पित होने से अटक गया है। भारी असुविधा को देखते हुए यह ब्रिज तैयार किया गया था लेकिन इसके? निर्माण में तकनीकी खामियां उजागार होने के बाद अब यह मामला फिर लटक गया है।

अब क्रिएटर्स समिट, चर्चित यू ट्यूबर्स व इन्फ्लुएंसर का कल जमावड़ा

सीएम देंगे पुरस्कार

भोपाल, दोहपर मेट्रो

यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए अपनी पहचान बना रहे युवाओं के लिए 31 अगस्त को 'भोपाल क्रिएटर्स समिट' आयोजित की जा रही है। समिट का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में डिजिटल क्रांति को बढ़ावा देना और स्थानीय टैलेंट को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। कार्यक्रम में देशभर से चर्चित यूट्यूब, इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर, वीडियो क्रिएटर्स और डिजिटल आर्टिस्ट हिस्सा लेंगे। यहां पैनल डिस्कशन और वर्कशॉप्स के जरिए कंटेंट मॉनेटाइजेशन, ऑडियंस इंगेजमेंट और नए ट्रेंड्स पर चर्चा होगी। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण 'क्रिएटर्स अवॉर्ड्स' भी है। यह अवॉर्ड्स उन मध्यप्रदेश के क्रिएटर्स को मिल रहा है जो डिजिटल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

इस समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव मौजूद रहेंगे। उनका समिट में शामिल होना इस बात का संकेत है कि सरकार भी डिजिटल क्षेत्र में युवाओं के प्रयासों को गंभीरता से प्रोत्साहित कर रही है। समिट के आयोजक और क्रिएटर मयंक तिवारी के मुताबिक यह आयोजन भोपाल को देश के डिजिटल क्रिएटर्स हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह मंच नए और पुराने क्रिएटर्स दोनों के लिए प्रेरणादायी रहेगा, जिससे वे अपने सपनों को हकीकत में बदलने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। साथ ही, यह आयोजन प्रदेश की संस्कृति और रचनात्मकता को डिजिटल माध्यम से दुनिया तक पहुंचाने का प्रयास भी है।

सड़कों के लिए 1.22 करोड़ रु. की परियोजनाओं को मिली मंजूरी

हिरदाराम नगर. वार्ड 4 के अंतर्गत दो प्रमुख सड़कों का सीसी कार्य किया जाएगा। पहली सड़क पीएनबी से निजी स्कूल तक जाएगी, जिसके लिए 47 लाख रु. का बजट आवंटित किया गया है। उपनगर के वार्ड 4 और वार्ड 1 में तीन महत्वपूर्ण सड़कों के कायाकल्प के लिए कुल 1.22 करोड़ की लागत से कार्य की स्वीकृति मिल गई है। ये सड़कें लंबे समय से जर्जर अवस्था में थीं। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी के अनुसार, इन सभी परियोजनाओं के लिए बजट मुख्यालय निधि से दिया गया है। हालांकि, सीवेज और पेयजल लाइनों के लिए चल रहे अमृत 2 योजना के काम के कारण सड़क निर्माण में कुछ देरी हो सकती है। दूसरी सराफा मार्केट से पुरानी गैस दावा अदालत तक बनेगी। इस पर 49 लाख रु. खर्च किए जाएंगे। इन दोनों सड़कों पर नाली निर्माण का भीप्रावधान है, जिसके लिए अलग से राशि दी जाएगी। इसके अलावा, वार्ड 1 में संत आसाराम तिराहे से नवीन सेवा सदन अस्पताल तक की सड़क का निर्माण 26 लाख रु. की लागत से किया जाएगा। इस सड़क के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है।

हिउस अध्यक्ष का चुनाव अंतिम दौर में

कल होगा चुनाव, इसी दिन होगी मतगणना 11 हजार से अधिक वोटर्स करेंगे मतदान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

श्री हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मतदान कल 31 अगस्त को होगा। ऐसे में चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में उम्मीदवारों ने जीतने के लिए जमकर पसीना बहाया। एक-एक वोट के लिए घर-घर दस्तक दे रहे हैं। इतना ही नहीं उम्मीदवार फेसबुक व वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी सहारा ले रहे हैं। लालघाटी स्थित गुफा मंदिर मानस भवन में रविवार को मतदान होगा। इसमें करीब 11 हजार से अधिक वोटर हिस्सा लेंगे। चुनाव सुबह 9 से शाम 5 बजे तक होंगे। इसी दिन शाम 6 बजे से मतगणना भी होगी। श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा इस बार के सदस्यता अभियान में 2200 नए सदस्य जोड़े गए हैं। समिति में चार पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, उमाभारती, कमलनाथ और दिग्विजय भी सदस्य हैं। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी इस बार नए सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, पूर्व विधायक पीसी शर्मा, बरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश पचौरी समेत जनप्रतिनिधि भी सदस्य है।

पांच उम्मीदवार मैदान में

भोपाल में हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करने वाली 60 साल पुरानी संस्था के चुनाव में 5 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें पूर्व अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाह, कैलाश वेगवानी के बीच सीधी जंग बताई जा रही है। हिंदू उत्सव समिति शहर की सबसे बड़ी धार्मिक समिति है। यह शहर वाले आयोजनों को व्यवस्था करती। गणेश उत्सव, दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन, दशहरा चल समारोह, राम-भरत मिलाप समारोह, शरद पूर्णिमा उत्सव आदि के मौकों पर समिति की ओर से चल समारोह निकाले जाते हैं।

मेट्रो एंकर सीएम से जांच की मांग, पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा- सुरक्षा संबंधी कई आशंकाएं बढ़ीं

स्मार्ट बिजली मीटर का पाकिस्तानी कनेक्शन!

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र में बिजली के पुराने मीटरों की जगह लगाए जा रहे नए स्मार्ट मीटर को लेकर पहले से ही बखेड़ा चल रहा है, अब वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को स्मार्ट मीटर लगाने वाली सऊदी अरब की कम्पनी अल्फानार इण्डिया की बारीकी से जांच कर ठेका निरस्त करना चाहिए। सिंह ने कहा- कम्पनी के अधिकारी, इंजीनियर और कर्मचारी पाकिस्तानी मूल के हैं इसलिए ठेके के बहाने नागरिकों का डाटा इकट्ठा कर उसका दुरुपयोग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इस मामले में सिंह ने सवाल उठाया है कि ठेका देने के पहले क्या मुख्यमंत्री को विश्वास में लिया गया था। सिंह ने कहा यदि ऐसा है तो सरकार को यह सब बातें श्वेत पत्र के माध्यम से प्रदेश की जनता तक पहुंचाना चाहिए। यह भी अजब है कि कम्पनी ने सरकारी बोली से चार हजार करोड़ रूपए कम में ठेका कैसे और क्यों लिया? सरकारी बोली 15 करोड़ 70 लाख 26 हजार रूपए की थी जबकि कम्पनी ने 11 करोड़ 63 लाख 40 हजार रुपए में ही ठेका ले लिया। इतना बड़ा अंतर केवल सिस्टम में एंट्री पाने लिए सोच-समझ कर किया गया जाहिर होता है तथा साफ है कि इसमें घटिया सामान ही दिया जायेगा। सिंह ने कहा अल्फानार कम्पनी के पास साफ्टवेयर डेवलपमेंट या डेटा मैनेजमेंट का अनुभव नहीं है। अल्फानार ने यह काम यूएई की एस्यासाफ्ट टेक्नोलॉजी कम्पनी को दे दिया है। इसमें भी पाकिस्तानी अधिकारी पदस्थ हैं। सिंह ने कहा कि इण्डिया स्मार्ट ग्रिड फोरम ने भी केन्द्र सरकार को पत्र लिख कर स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट में भाग ले रही खाड़ी देशों की विदेशी कंपनियों को ठेका देने के चलते डाटा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए साइबर हमले चेतावनी दी है। सिंह ने कहा- स्मार्ट मीटर की सामग्री चीन से आयात हो रही है। केवल असेम्बलिंग भारत में हो रही है। एक ओर तो प्रधानमंत्री स्वदेशी अपनाने की बात कर रहे है। वहीं दूसरी और आयातित सामान का उपयोग हो रहा है।

भिंड कलेक्टर-विधायक विवाद,भाजपा लगा चुकी है फटकार

आईएएस अफसरों की नाराजगी बरकरार,विधायक पर कानूनी कार्रवाई की मांग, सीएम को दिया ज्ञापन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र भाजपा ने अपने भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह को बुलाकर उनके कृत्य के लिये जमकर फटकार लगा दी है लेकिन मप्र आईएएस एसोसिएशन की खिन्नता बरकरार है। भिंड कलेक्टर से बदसलूकी को लेकर एसोसिएशन ने बीती रात मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस मामले में एसोसिएशन का कहना है कि भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के सरकारी आवास पर विधायक कुशवाह ने हंगामा किया। गाली-गलौच और हिंसक बर्ताव किया गया, जो गलत है। अध्यक्ष व अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से कहा कि विधायक का आचरण

अमर्यादित है। मुख्यमंत्री यादव ने आईएएस अफसरों को इस मामले में जांच कराने और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। अफसरों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा अपमानजनक शब्दावली का इस्तेमाल ठीक नहीं है। इससे पहले आईएएस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव अनुराग जैन से भी इसी मुद्दे पर मुलाकात की थी व पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया था। सी?एम से मुलाकात के दौरान श्रीवास्तव के साथ सुदाम खाड़े, अविनाश लवानिया, कौशलेंद्र विक्रम सिंह और वीएस कोलसानी भी थे।

मध्यप्रदेश शासन

The heart of Incredible India

विरासत को संजोता पर्यटन को नये आयाम देता मध्यप्रदेश

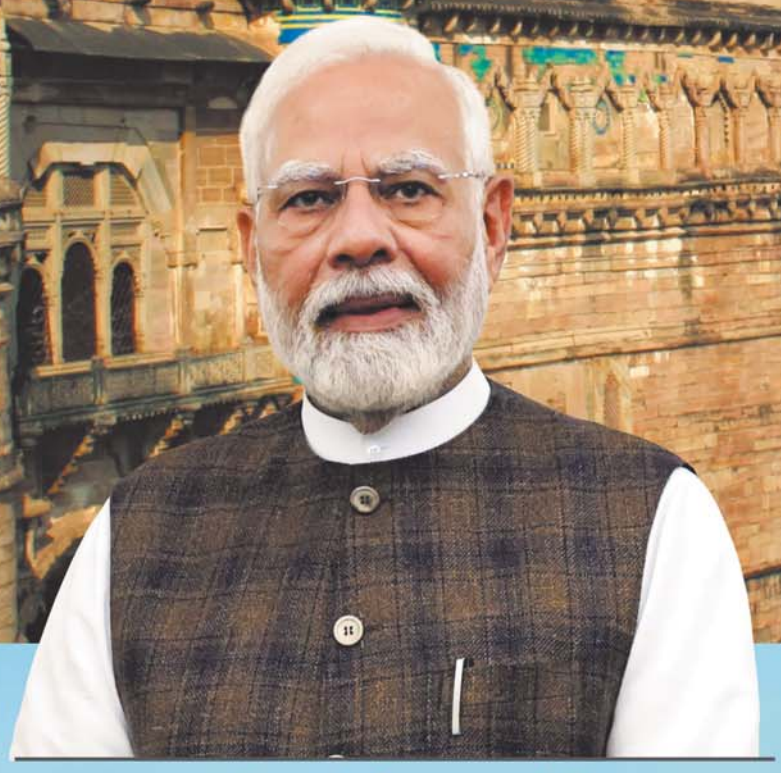

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

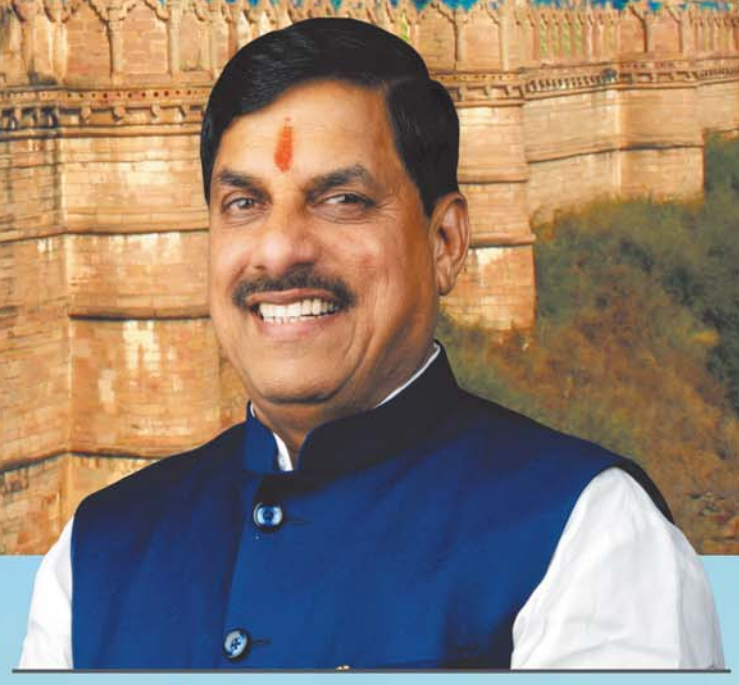

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश टूरिज्म रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव

29-30 अगस्त, 2025

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

30 अगस्त, 2025 | पूर्वाह्न 10:30 बजे

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

मुख्य आकर्षण

निवेश के अवसर

होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्र के निवेशकों को लैटर ऑफ अवॉर्ड प्रदाय तथा एमओयू का आदान-प्रदान

रोज़गार एवं क्षेत्रीय विकास

परियोजनाओं से स्थानीय समुदाय को पर्यटन आधारित रोज़गार और क्षेत्रीय पर्यटन को स्थायित्व मिलेगा

विशेष पर्यटन प्रदर्शनी

मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन स्थलों, हॉस्पिटैलिटी ब्रांड्स, होम-स्टे, रिसॉर्ट्स, हैंडलूम/हैंडीक्राफ्ट, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों को समर्पित प्रदर्शनी

सत्र 1 - टूरिज्म कल्चरल ब्रिज

"ब्रांडिंग ग्वालियर एंड हार्टलैंड ऑफ एमपी फॉर द वर्ल्ड" विषय पर पैनल डिस्कशन - ग्वालियर की सांस्कृतिक धरोहर, शास्त्रीय संगीत और स्थापत्य कला को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की रणनीतियों पर विमर्श

सत्र 2 - ग्वालियर एंड चम्बल राइजिंग

"इनबाउंड अपील थ्रू हेरिटेज, लक्जरी एंड एक्सपीरियंस" विषय पर पैनल डिस्कशन - विरासत, लग्जरी स्टे, डेस्टिनेशन वेडिंग और अनुभवात्मक पर्यटन के नए आयामों पर संवाद

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11091/25

संपादकीय

सुरक्षा के लिए यह रास्ता भी सही

सड़क सुरक्षा को लेकर कई राज्य धीरे धीरे कठोर कदमों की तरफ बढने लगे हैं। दरअसल सड़कों पर हो रही दुर्घटना व मौत के मामले में हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते,आंकडे भयावह कहानियां कह रहे हैं। कुछ दिन पहले मप्र के बड़े शहरों में हेलमेटधारियों को ही पेट्रोल देने का निर्णय लिया गया था,इस पर अमल भी हो रहा है। अब उप्र सरकार ने सड़क सुरक्षा की खातिर बढ़ावा देने के लिए 'हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं' अभियान चलाने का फैसला किया है। इसे लेकर पेट्रोल पंपों पर रोज नये नजारे हैं। हालांकि दोपहिया वाहनों की सवारी करने वाले लोगों को खुद ही इसे लेकर संजीदा होने की जरूरत है, लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि इस अभियान से उनके भीतर जिम्मेदारी की भावना आएगी। एक सितंबर से शुरू हो रहे इस अभियान को विधिसम्मत होने के साथ जनहितैषी भी कहा जा सकता है। गौरतलब है कि भारत में करीब तीस फीसद हादसों में दुपहिया चालक ही शिकार होते हैं। इनमें मौत का सबसे बड़ा कारण हादसे के समय हेलमेट नहीं पहनना माना जाता है। सवाल है कि यातायात नियमों के मुताबिक हेलमेट अनिवार्य होने पर भी अगर लोग नियमों का पालन नहीं करते, तो इसका नुकसान किसे उठाना पड़ता है। हैरत की बात है कि जुर्माने के प्रावधान के बावजूद लोग बिना हेलमेट पहने वाहन चलाते दिखते हैं। उन्हें न तो नियम-कायदे की परवाह होती है और न ही अपने प्राणों की। जहां सड़क पर यातायात पुलिस की जांच ढीली होती है, वहां दुपहिया पर पीछे बैठे लोग अमूमन हेलमेट नहीं पहनते। जबकि हादसे की स्थिति में जोखिम का स्तर उनके लिए भी समान होता है। हालांकि इस नये नियम को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों में अनमनापन नजर आता है,क्योंकि उनका मानना है कि इससे उनकी पेट्रोल की बिक्री कम हो सकती है। लेकिन यह भी मानना चाहिये कि पेट्रोल की पूर्ति और कहीं से नहीं हो सकती,इसलिये लोगों को यह आदत डालनी ही होगी। जहां तक इन दोनों राज्यों की बात है तो पहले भी यह अभियान चल चुका है और थोडे? दिनों बाद इसमें शिथिलता आती गई। उप्र में यह पिछले वर्ष भी चलाया गया था, लेकिन सच यह है कि लोगों के बीच हेलमेट पहन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर पर्याप्त संवेदनशीलता अभी विकसित नहीं हुई है। कुछ समय पहले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने बताया था कि पिछले वर्ष हुए हादसों में तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट नहीं पहनने की वजह से हो गई। यानी देश में हर दिन औसतन अस्सी लोगों की जान सिर्फ हेलमेट नहीं पहनने के कारण चली गई। सवाल है कि इस संबंध में कानून होने और उससे भी ज्यादा अपने हित में होने के बावजूद लोग हेलमेट की उपयोगिता की अनदेखी क्यों करते हैं। किसी हादसे की स्थिति में शरीर के बाकी हिस्से में लगी चोट के मुकाबले सिर पर लगी चोट जिंदगी को जोखिम में डाल देती है। उपचार के बाद भी जीवन भर जटिलताएं बनी रह सकती हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर दोपहिया वाहन चलाते हुए हेलमेट पहना जाए तो मौत की आशंका को बहुत कम किया जा सकता है। पुलिस प्रशासन को भी चाहिये कि नियमों की कडाई के साथ ही लोगों के बीच तक हेलमेट की उपयोगिता का संदेश पूरी गंभीरता के साथ पहुचाया जाता रहे। इसमें समाजसेवी संस्थाओं की मदद भी सतत ली जा सकती है। यह बात बहुत साफ है कि कुछ मौसमी मुहिमों की ही वजह से यह चेतना नहीं आ सकती,बल्कि सतत प्रयासों के बाद ही हेलमेट आदत बन पाएगा।

सुविचार

'जीवन का कार्यक्रम है रचनात्मक, विनाशात्मक नहीं;
मनुष्य का कर्तव्य है अनुराग, विराग नहीं।'
- भगवतीचरण वर्मा

कविता

घर में है बवाल !

- कृष्णेन्द्र राय

उथल पुथल है मचा ।
घर में है बवाल ।।
सिलसिला है जारी ।
जनता करे सवाल ।।
घटित जो स्वाभाविक ।
क्या इसमें कुछ चाल ?
दाल में कुछ काला ।
या काली ही दाल ?
है चुनावी बेला ।
घूम रहे हैं प्रश्न ।
है सचमुच तकलीफ ?
या पूरा ही जश्न ।।
लेता कोई मजे ।
दिखते कुछ गंभीर ।।
इधर उधर से लेकिन ।
चल रहे हैं तीर ।।

आज का इतिहास

- 1659 - दारा शिकोह को औरंगजेब द्वारा फाँसी दी गयी।
- 1682 - विलियम पेन इंग्लैंड से रवाना हुए और बाद में उन्होंने अमेरिका में पेनसिल्वेनिया कॉलोनी की स्थापना की।
- 1780 - जनरल बेनेडिक्ट अर्नोल्ड ने वेस्ट प्वाइंट फोर्ट में ब्रिटिश सेना के सामने आत्मसमर्पण करने का वादा किया।
- 1806 - न्यूयॉर्क शहर का दूसरा दैनिक समाचार पत्र 'डेली एडवर्टाइजर' आखिरी बार प्रकाशित किया गया।
- 1928 - द इंडिपेंडेंस ऑफ़ इंडिया लीग की भारत में स्थापना।
- 1947- भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए डॉ. भीमराव आम्बेडकर के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया।
- 1951 - फिलीपींस और अमेरिका ने एक रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1984 - अंतरिक्ष यान 'डिस्कवरी' ने पहली बार उड़ान भरी।
- 1991 - अजरबैजान ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1999 - पूर्वी तिमोर की स्वतंत्रता के लिए जनमत संग्रह सम्पन्न।
- 1999 - पूर्वी तिमोर के निवासियों ने इंडोनेशिया से आजादी के लिए भारी मतदान किया।
- संयुक्त राष्ट्र ने चार सितंबर को परिणाम की घोषणा की।
- 2002 - ताइवान में भूकम्प के झटके महसूस किये गए।
- 2002 - कोनोको इंक और फिलिप्स पेट्रोलियम ने विलय कर कोनोकोफिलिप्स बनायी।

सैलानियों के लिए जन्नत से कम नहीं है हमारा मध्यप्रदेश

■ डॉ. मोहन यादव

पर्यटन की दृष्टि से हमारा प्रदेश सैलानियों को सर्वाधिक लुभाने वाला राज्य है। यहाँ जो एक बार आता है, सम्मोहन में बंधकर बार-बार आना चाहता है। यहाँ हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। बहुआयामी पर्यटन के लिहाज से हमारे पास नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल और आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें हैं तो हरे-भरे वन भी हैं। इसीलिए पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। हम प्रयास कर रहे हैं कि हमारे ज्यादातर स्थल देश के टूरिस्ट सर्किल का हिस्सा बन सकें क्योंकि अभी केवल खजुराहो ही इसमें आता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विकस्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है। प्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि प्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी।प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ प्रदेश की पहचान बहुआयामी

पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है।प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री की दूर दृष्टि से प्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है।चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है। सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अबयूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल,भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने कीतैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्वविरासत सूची में शामिल करने की पहल की है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हेरिटेज पर्यटनकी कई परियोजनाएं शुरू की गई

हैं।प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहाहै। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले।

पर्यटन स्थलों में सुविधाएंनिरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतनाऔर सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है। प्रदेश अब सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है।ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजाकी सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत मेंपहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ।

एक ओर जहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निर्माताओं को मध्यप्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही हैं। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग प्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिनमें से 63 पर्यटन ग्राम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उद्योग का निरंतर विस्तार हो, ताकि पर्यटन की संभावनाओं को पूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

कितनी कारगर होगी घुसपैठ रोकने की ताजा कवायद?

■ प्रभाकर मणि तिवारी

असम में घुसपैठ की समस्या देश की आजादी जितनी ही पुरानी है। तमाम आंदोलनों और सरकारी कवायद के बावजूद अब तक इस पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगाया जा सका है। अब राज्य की हिमंता बिस्वा सरमा सरकार ने इसी कवायद के तहत एक अक्तूबर से 18 साल पूरे करने वाले युवाओं को आधार कार्ड जारी नहीं करने का फैसला किया है। लेकिन इस फैसले पर सवाल उठ रहे हैं। सीमा पार बांग्लादेश से बड़े पैमाने पर होने वाली घुसपैठ के विरोध में ही अस्सी के दशक में अखिल असम छात्र संघ (आसू) के नेतृत्व में करीब छह साल असम आंदोलन चला था। उसके बाद पूरा राज्य छह साल तक हिंसा की आग में जलता रहा। इस दौरान नौ सौ से ज्यादा युवकों ने अपनी जान गंवाई थी और संपत्ति का जो नुकसान हुआ वह तो अनुमान से परे है।

इस आंदोलन के दौरान ही वर्ष 1983 में हुए नेल्ली नरसंहार ने पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी थीं। उस दौरान अल्पसंख्यकों के कई गांव साफ हो गए थे और एक ही रात में दो हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। वर्ष 1985 में असम समझौते के बाद यह आंदोलन तो खत्म हो गया। लेकिन यह विवाद अक्सर भड़कता रहा है। नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस (एनआरसी) की कवायद के दौरान यह विवाद चरम पर पहुंचा था। यही वजह है कि उस दौरान एनआरसी के विरोध में राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। बाद में एनआरसी की ड्राफ्ट रिपोर्ट को नामालूम वजहों से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। असम समझौते में कहा गया था कि सीमा पार से अवैध तरीके से राज्य में आने वाले %विदेशी% नागरिकों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से उनके देश नहीं भेजे जाने तक उनको डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, लेकिन उसके बाद भी बरसों तक इस प्रावधान पर अमल नहीं किया गया था। राज्य में बांग्लादेश से घुसपैठ के खिलाफ आसू की अगुवाई में अस्सी के दशक में हुए आंदोलन की कोख से असम गण परिषद (अगप) का जन्म हुआ था। उस आंदोलन के बाद हुए चुनावों में अगप को भारी बहुमत मिला था और प्रफुल्ल कुमार महंत राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने थे। उसके बाद से ही रह-रह कर यह मुद्दा उठता रहा है। दरअसल, इस समस्या की जड़ें दूर तक तक फैली हैं।

असम के प्रमुख इतिहासकार अमलेंदु दत्त कहते हैं कि वर्ष 1911 में ब्रिटिश जनगणना आयुक्तों ने अपनी रिपोर्ट में तत्कालीन पूर्वी बंगाल से राज्य में बड़े पैमाने पर लोगों के आने का जिक्र किया था। उसके एक साल बाद सिलहट डिवीजन को बंगाल से काट कर असम का हिस्सा बना दिया गया। उसके बाद मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ने लगी। उसी समय से हिंदू और मुस्लिम तबके के बीच झड़पों की शुरूआत हो गई। वर्ष 1937 में कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू ने असम के विकास व समृद्धि के लिए पूर्वी बंगाल से लोगों के आने को सही ठहराया था। लेकिन देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने यह कहते हुए इस दलील का विरोध किया कि ब्रह्मपुत्र घाटी में बिहार के हिंदुओं को बसाना मैमनसिंह के मुस्लिमों को बसाने से बेहतर है।उसके दशकों बाद बांग्लादेश से आने वालों के लिए कटऑफ की तारीख 24 मार्च, 1971 तय की गई। उसके कुछ दिनों पहले ही वहां मुक्ति युद्ध शुरू हुआ था। आजादी के बाद कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर घुसपैठियों को खदेड़ा था। बाद में गोपीनाथ बोरदोलोई सरकार ने इस नीति पर धीरे चलने का फैसला किया। असम की 263 लंबी सीमा बांग्लादेश से सटी है। इसमें से 119. 1 किमी इलाका नदियों से जुड़ा है। भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से कुछ इलाकों में सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ भी नहीं लगाई जा सकी है। ऐसे में घुसपैठ बेहद आसान है। खासकर बराक घाटी के करीमगंज इलाके में कुशियारा नदी ही बांग्लादेश के सिलहट इलाके को भारत से अलग करती है। उस पतली-सी नदी में आम लोग नावों के सहारे आसानी से उधर से इधर आ सकते हैं। सीमावर्ती इलाकों में शादी-ब्याह, सार्वजनिक उत्सवों और रिश्तेदारियों में सीमा रेखा गायब हो जाती है। यह कानूनी नहीं बल्कि सदियों से जारी परंपरा है।

देश के विभाजन के बावजूद यह सिलसिला जस का तस जारी रहा। स्थिति यह है कि करीमगंज इलाके में जाने पर यह पता ही नहीं चलता कि आप भारत में हैं या बांग्लादेश में।पोशाक, बोली, संस्कृत और रीति-रिवाजों में काफी समानता है। ऐसे में उधर से सीमा पार कर यहां पहुंचने के बाद घुसपैठियों की पहचान करना असंभव है। वह लोग स्थानीय आबादी के साथ एकदम घुलमिल जाते हैं। हिमंता बिस्वा सरमा ने सत्ता संभालने के बाद सीमा पार से आकर राज्य में बसने वाले अल्पसंख्यकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया था। इसके तहत बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हुईं। बाल विवाह के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया और मियां मुसलमानों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई।

असम में बंगाली मूल के मुस्लिमों के लिए मिया (मियां) शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। इसे ज्यादा अच्छा शब्द नहीं मानते और कुछ लोग इसे अपमान के रूप में भी देखते है। तत्कालीन ब्रिटिश शासकों ने इस तबके के लोगों को 1890 के दशक के उत्तरार्ध में असम में ब्रह्मपुत्र नदी के दोनों किनारों पर खेती और दूसरे कामों के लिए बसाया था। राज्य में इस तबके के लोगों को सम्मान की निगाह से नहीं देखा जाता। हिमंता कई बार कह चुके हैं कि उनको मिया मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए। उनका कहना था कि भाजपा को असम में बंगाली मूल के मुस्लिम समुदाय के वोटों की जरूरत नहीं है। मुझे मिया मुस्लिमों का वोट नहीं चाहिए। राज्य के बहुत से लोगों का मानना है कि प्रवासी मुस्लिमों की वजह से असम ने अपनी पहचान, संस्कृति और भूमि खो दी है। सरकार ने सत्ता में आने के बाद कई विवादास्पद कानून तो बनाए ही, बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान भी चलाया। यह अभियान कई मौकों पर काफी हिंसक साबित हुआ, लेकिन सरकार अपने रुख पर अडिग रही। अब घुसपैठ रोकने की ताजा कवायद के तहत सरकार ने 18 साल से ज्यादा उम्र वाले युवाओं को आधार कार्ड जारी करने पर एक साल के लिए रोक लगाने का फैसला किया है। सरकार की दलील है कि राज्य में आबादी से ज्यादा आधार कार्ड बन गए हैं। लेकिन आदिवासियों और चाय बागान मजदूरों के मामले में यह आंकड़ा 96 फीसदी ही है। इसी वजह से इस समुदाय के लोगों को एक साल की छूट दी गई है। यानी यह लोग अगले साल सितंबर के आखिर तक अपना आधार कार्ड बनवा सकते हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में उन लोगों से 30 सितंबर तक आधार कार्ड बनवाने को कहा गया है जो भारतीय नागरिक हैं। लेकिन सरकार के इस फैसले पर सवाल भी उठ रहे हैं। आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने इस तुगलकी फैसला करार दिया है। पार्टी के विधायक रफीकुल इस्लाम का कहना था कि सरकार राज्य के लोगों को मतदान से वंचित करना चाहती है। इसी वजह से अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आधार कार्ड पर रोक लगा दी गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि हिमंता बिस्वा सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से ही राज्य में बांग्लाभाषी अल्पसंख्यकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चला रखा है। लेकिन सरकारी अभियान में कई बार गेहूं के साथ घुन के भी पिसने का खतरा है। विदेशी चिन्हित होने वाले सैकड़ों लोगों की नागरिकता बाद में साबित होने के कई मामले सामने आ चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषक शिखा मुखर्जी कहती हैं कि सरकार घुसपैठ रोकने के प्रति गंभीर तो नजर आती है, लेकिन इसके तरीके पर सवाल भी उठते रहे हैं। ताजा फैसले पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर आबादी से ज्यादा लोगों को आधार कार्ड कैसे मिल गया? जाहिर है इसके लिए सरकारी अधिकारी ही दोषी हैं। ऐसे में इस फैसले को सोच-समझ कर लागू किया जाना चाहिए ताकि कोई भारतीय नागरिक अपने मताधिकार से वंचित नहीं हो।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

पुलिस के संरक्षण में अवैध कारोबार का आरोप: कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन कर कहा-

पुलिस नहीं ढूंढ पा रही... तो हमसे पूछे कहां बिक रहा है नशा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पुराना बस स्टैंड पर आयोजित ब्लाक कांग्रेस कमेटी के धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने क्षेत्र में बड़ रहे नशे के व्यापार पर खुलकर प्रशासन को घेरा। थाना परिसर से कुछ मीटर की दूरी पर आयोजित इस प्रदर्शन में ब्लाक कांग्रेस सुरेश यादव ने कहा कि मैं खुलेआम कह रहा हूं कि सिरोंज में पुलिस के संरक्षण में ड्रग्स का धंधा चल रहा है। जिसमें हमारे युवा बर्बाद हो रहे हैं और कोई देखने वाला नहीं है। अगर पुलिस को नशे के सौदागर नहीं मिल रहे हैं, तो हमसे पूछे हम शहर में नशे के व्यापार के केन्द्र बताएंगे।

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए हम हर जिम्मेदार उठाने को तैयार हैं। नगर कांग्रेस अध्यक्ष इरशाद गौरी भी नशे के खिलाफ पुलिस की लापरवाही को लेकर जमकर बरसे। उन्होंने

कहा कि सिरोंज में नशा आम हो गया है। मेडीकल की दुकानों पर नशे का सामान खुले आम बिक रहा है। कार्रवाई के नाम पर अधिकारी खानापूर्ति करते दिखाई देते हैं। जबकि शहर के अलीगंज पहाड़, दिल्ली दरवाजा और चौराहा जैसे अनेक स्थान ऐसे हैं। जहां खुलेआम नशे की सामग्री बेची जा रही है। लोग सोशल मीडिया पर अपनी बात भी रख रहे हैं लेकिन पुलिस अभी भी चुप है।

प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने पुराना बस स्टैंड पर ही तहसीलदार संजय चौरसिया को राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें उन्होंने किसानों को समुचित बीमा राशि प्रदान करने एवं अतिबारिश से प्रभावित हुई फसलों का सर्वे करवाकर मुआवजा प्रदान करने, शहर में तेजी से बड़ रहे नशे के कारोबार पर ठोर कार्रवाई करने, नगर पालिका द्वारा बनाए जा रहे नालों के निर्माण कार्य की जांच कर इनमें हुए भ्रष्टाचार की जांच करने तथा भोपाल रोड से बासौदा रोड के बीच बने बायपास के नक्शे और इसकी निर्माण प्रक्रिया की जांच की मांग की हैं।

पुलिस दफ्तर के पास अवैध धंधा

कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विनोद सेन ने कहा कि सिरोंज में हर तरह का नशा युवाओं को मिल रहा है। अवैध शराब का व्यापार भी खुलेआम चल रहा है। एक दिन पहले ही पुलिस ने तहसील रोड पर रेस्टोरेंट में बेची जा रही अवैध शराब को पकड़ा हैं। एसडीओपी कार्यालय से समीप स्थित इस रेस्टोरेंट में सालों से अवैध शराब का व्यापार चल रहा था। इसके बाद भी पुलिस को इस व्यापारी को पकड़ने में सालों बीत गए। शहर की कई होटलों और ढाबों पर ये व्यापार चल रहा है।

खाद भले ही न मिले, ड्रग्स मिलेगी

कांग्रेस के इस प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद के लिए मारामारी मची है और किसान परेशान हो रहा है। यहां खाद भले न मिले लेकिन नशे के लिए हर तरह का ड्रग्स जरूर मिल जाएगा। भोपाल तो अब ड्रग्स सप्लायरों की राजधानी बन गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री और जिला प्रभारी प्रभुसिंह ठाकुर ने भी केन्द्र एवं प्रदेश सरकारों की जनविरोधी नीतियों की जानकारी दी। धरना-प्रदर्शन को वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खान, कमलसिंह यादव, अवध शर्मा और गगनेन्द्र रघुवंशी के साथ ही अन्य वक्ताओं ने भी धरना-प्रदर्शन को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस नेता इरफान गौरी, राकेश शर्मा, रजत गौड़, असगर खान तथा अतीक मंसूरी के साथ ही अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सागर नगर निगम की सियासत में सबकुछ ठीक नहीं

एक ही जगह निरीक्षण करने अलग-अलग पहुंचे महापौर-अध्यक्ष, बाद में प्रशासनिक अमला

शशिकांत दिमोले। सागर

नगर निगम की सियासत में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। हाल ही में दो वाक्या देखने को मिले जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगर निगम की राजनीति दो धड़ों में बट गई है। इसकी बानगी यह है कि एक ही दिन में एक ही स्थल का महापौर और निगम अध्यक्ष ने अलग-अलग समय में निरीक्षण कर निर्देश दिए। इसके अलावा जिला प्रशासन भी पीछे नहीं रहा और उनके नुमाइंदों ने भी उसी स्थल का निरीक्षण किया।

दरअसल इन दिनों गणेश उत्सव चल रहा है। साथ ही श्री गणेश की मूर्ति विसर्जन की तैयारी भी चल रही है। भोपाल रोड स्थित लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी में प्रतिमा विसर्जन किया जाता। इसी की तैयारियों को लेकर नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने नगर विधायक शैलेंद्र जैन के साथ निरीक्षण किया और अधिकारियों को विसर्जन की तैयारियों व सुरक्षा के इंतजाम करने के निर्देश दिए। वहीं महापौर संगीता सुशील तिवारी भी पार्षदों के साथ लेहदरा नाका पहुंची। उन्होंने भी अधिकारियों को निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर इन निरिक्षणों की खबर प्रसारित होते ही जिला प्रशासन भी जागा और उसने भी अपने नुमाइंदों को विसर्जन स्थल पर भेज कर निरीक्षण कराया। अब सवाल यह है कि यह निरीक्षण एक साथ भी हो सकता था। आखिर अलग-अलग निरीक्षण करने का क्या मतलब निकाला जाए? राजनीति की नब्ज टटोलने वालों का कहना है कि यह सब अगले विधानसभा चुनाव में टिकट की जमीन तैयार करने की कवायद है।

पहले विधायक के साथ पहुंचे अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार

... फिर महापौर संगीता ने देखीं विसर्जन की तैयारियां

विधायक एवं अध्यक्ष ने दिए निर्देश

गणेश उत्सव पर्व को ध्यान में रखते हुए विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन एवं नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी गणेश विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को अविलंब कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विधायक जैन ने कहा कि गणेश विसर्जन के समय भारी भीड़ एकत्रित होती है, ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोपरि है। उन्होंने नदी की सफाई और गहरीकरण, नदी में गेट लगाकर पानी रोकने की व्यवस्था, तथा पेवर्स ब्लॉक लगाकर स्थल को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। साथ ही जो नया घाट निर्माण हुआ है। उसकी सड़क चौड़ीकरण, घाट पर पिचिंग पर पर रंगरोगन, तथा रेलिंग लगाने के निर्देश दिए ताकि विसर्जन के दौरान कोई दुर्घटना न हो। निगमाध्यक्ष अहिरवार ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि विसर्जन स्थल पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम तथा यातायात के लिए सुगम मार्ग तैयार किया जाए. निरीक्षण के दौरान जगन्नाथ गुरैया, उपयंत्री संयम चतुर्वेदी, बबलेश साहू, विक्रम सोनी, नितिन सोनी, रामेश्वर नेमा,निर्भय घोसी सहित अन्य उपस्थित रहे।

महापौर ने कहा-सुरक्षा के हों इंतजाम

महापौर संगीता सुशील तिवारी ने एमआईसी सदस्य और पार्षदों के साथ लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी पर गणेश विसर्जन की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई और सुरक्षा के निर्देश दिए गए, ताकि उत्सव शांति और सुरक्षा के साथ मनाया जा सके। इस मौके पर पार्षद धर्मेंद्र खटीक, संगीता शैलेश जैन, पार्षद प्रतिनिधि नरेश यादव, रिशांक तिवारी, शुभम घोषी, निर्भय घोषी सहित निगम अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट भी पहुंची

कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट आरती यादव ने उपायुक्त एसएस बघेल, तहसीलदार संदीप तिवारी के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल लेहदरा नाका बड़ी नदी का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि विसर्जन स्थल पर पर्याप्त साफ सफाई के साथ नाव, गोताखोर, हाईड्रोलिक मशीन, बेरीकेटिंग, फायर ब्रिगेड, एम्बूलेंसे, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ सहित एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। यादव ने कहा कि विसर्जन स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहे।

पार्षद सरिता को मिली नपा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

सागर। जिले की देवरी नगर पालिका का अध्यक्ष पद खाली होने के बाद शासन ने देवरी के वार्ड क्रमांक 11 की पार्षद सरिता संदीप जैन सिनेमा को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उप सचिव आरके कार्तिकेय ने आदेश जारी किया है। बीजेपी विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने इस पूरे मामले में विधानसभा में सवाल उठाया था। जिसमे पूर्व अध्यक्ष नेहा अलकेश जैन की अनियमितताओं को लेकर कार्यवाही की बात कही गई थी। कारवाई करते हुए राज्य शासन ने नेहा जैन को अध्यक्ष पद से हटा दिया था। आदेश में कहा गया है कि नगर पालिका देवरी की पूर्व अध्यक्ष नेहा अकलेश जैन को विभागीय आदेश के तहत अध्यक्ष पद से हटाया गया था। जिसके बाद 25 अगस्त से नगर पालिका अध्यक्ष का पद खाली था। इस पर शासन ने नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 11 से पार्षद सरिता संदीप जैन (सिनेमा वाले) को आगामी आदेश तक अथवा अध्यक्ष निर्वाचित होने तक के लिए नगर पालिका देवरी अध्यक्ष की सभी शक्तियों और कर्तव्यों का निर्वहन करने क करने हेतु नाम निर्दिष्ट करता है।

नर्मदापुरम में नर्मदा नदी में डूबा युवक, तलाश जारी

नर्मदापुरम। पोस्ट ऑफिस घाट पर एक 25 वर्षीय युवक डूब गया। सुबह से ही एसडीईआरएफ, होमगार्ड की टीम रेस्क्यू करने में लगे हुए है खबर लिखे जाने तक युवक का पता नहीं चल पाया थापुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवक बैतूल से जिले के आमला के ग्राम अधारिया गांव का रहने वाला है। जो अपनी मां, नानी समेत परिजनों के साथ दो दिन से नर्मदापुरम में आया हुआ था। युवक राहुल पिता रामचन्द्र (25) नहाने के लिए पोस्ट ऑफिस घाट गया था। जलस्तर ज्यादा होने से घाट किनारे नहा रहा था। अचानक गहरे पानी में चला गया। जिससे डूब गया। परिजनों की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस, एसडीईआरएफ, होमगार्ड मौके पर पहुंचे थे। स्थानीय गोताखोर और एसडीईआरएफ टीम ने युवक की तलाश के लिए रेस्क्यू शुरू किया। शाम 7 बजे अंधेरा होने तक रेस्क्यू चला। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका।

पिता-पुत्र की हत्या, गांव में पुलिस बल तैनात

सागर। पुराने विवाद को लेकर ग्राम बीजरी में आरोपियों ने एक परिवार पर तलवार, कुल्हाड़ी, लाठियों से हमला कर दिया। हमले में पिता पुत्र की मौत हो गई। यह सनसनीखेज वारदात शुक्रवार की देर रात बंडा थाना क्षेत्र में हुई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू की। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। ग्राम बीजरी में लोधी समाज के दो परिवारों में कुछ समय से आपस में विवाद चल रहा था। एकजुट होकर आए लोगों ने तलवार, कुल्हाड़ी, रॉड, लाठियों से हमला कर भागीरथ लोधी और उनके पुत्र राजकुमार लोधी की हत्या कर दी. वारदात की खबर लगते ही बंडा एसडीओपी प्रदीप बाल्मिकी, थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल गांव पहुंचा और मामले की जांच शुरू की। शवों का पंचनामा बनाकर अस्पताल भेजा गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संजीव उईके ने बताया कि बीजरी गांव में 2 लोगों की हत्या हुई है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर 19 लोगों पर मामला दर्ज किया है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही।

विधायक ने दिलाई शपथ, कबड्डी मेट दिलाने का भरोसा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शासकीय उत्कृष्ट उमावि में ब्लॉक स्तर पर मेजर ध्यानचंद का जन्मदिन राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, विकासखंड शिक्षाधिकारी परता अहिरवार, प्राचार्य एमसी शर्मा उपस्थित रहे। इस मौके पर विद्यार्थी एवं खेल शिक्षक शामिल हुए।

विधायक ने खेल दिवस पर सभी को खेलों की शपथ दिलाई। साथ ही विद्यालय को कबड्डी मैट दिलाने का ऐलान भी दिया। नगर पालिका अध्यक्ष ने स्वदेशी के साथ-साथ स्वच्छता पर जोर देते हुए खेलों का जीवन में महत्व बताए। नगर पालिका

उपाध्यक्ष ने मोबाइल का दुरुपयोग ना कर वह समय खेल में लगाकर खुद को चुस्त रखने की बात कही। प्राचार्य एमसी शर्मा ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर विस्तृत रूप से बताया। सभी अतिथियों ने स्वयं खेल के मैदान में बैडमिंटन और टेबल टेनिस खेल कर खेल का शुभारंभ किया। इसके पश्चात बच्चों के बैडमिंटन और टेबल टेनिस के मैच आयोजित किए गए। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी दिनेश ओझा ने किया एवं आभार शिक्षक प्रदीप चौरसिया ने व्यक्त किया। इस अवसर शफाकत हुसैन कादरी विजय शर्मा, कपिल गौड़, गौरव भारद्वाज ,देवेन्द्र राजपूत उपस्थित रहे।

सुनील चौथी बार पटवारी संघ अध्यक्ष

सिरोंज। तहसील पटवारी संघ के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें लगातार चौथी बार सुनील यादव को संगठन का अध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन के पहले संगठन के सदस्यों ने वार्षिक गतिविधियों पर चर्चा करने के साथ ही अपने विचार भी व्यक्त किए। इसके बाद सर्वसम्मति से सुनील यादव को अपना अध्यक्ष चुना। इस अवसर पर मनोज पारासर, चरणसिंह, जितेन्द्र धाकड़, पंकज श्रीवास्तव, भूपेन्द्र रघुवंशी, राजेश शर्मा, बद्री मीणा तथा रंजीत आदि मौजूद रहे।

पटवारी संघ के अध्यक्ष बने अमित

गंजबासौदा। तहसील बासौदा के पटवारी संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव में सर्वसम्मति से अमित रघुवंशी को संघ का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। सभी पटवारियों ने अध्यक्ष का फूलमालाओं से उनका स्वागत कर मिठाई खिलाई और शुभकामनाएं दी। वहीं इस अवसर पर अमित ने कहा कि मैं हमेशा पटवारियों की समस्याओं के समाधान का प्रयास करूंगा। सभी के साथ हर समय खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर अनिल शर्मा, कुलदीप तिवारी सहित कई पटवारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर

जीनियस प्लेनेट में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न सम्मान समारोह

डिप्रेशन से बचते हैं शिक्षा के साथ खेल को अपनाने वाले बच्चे

इटारसी। दोपहर मेट्रो

जीनियस प्लेनेट एजुकेशन सोसायटी द्वारा हॉकी के जादूगर पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे, जिला कॉंग्रेस अध्यक्ष समाजसेवी शिवाकांत पांडे, खेल प्रमोटर जितेंद्र ओझा, खेल प्रमोटर कुलभूषण मिश्रा, समिति सदस्य सुनील सचान एवं संरक्षक मोहम्मद यूनिस सिद्दीकी के आतिथ्य में संपन्न हुआ। सभी अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन पश्चात संचालक जाफर एवं मनीता सिद्दीकी द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

सम्मान समारोह में विभिन्न खेलों में अपनी सहभागिता देने वाले खिलाड़ी, कोच एवं प्रमोटर का जीनियस प्लेनेट स्कूल सभागार में सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह में दीपक परदेसी को फुटबॉल, अशीष मालवीय को फुटबॉल,

सुनील जैन को बैडमिंटन खिलाड़ी एवं प्रमोटर के लिए, चेतन राजपूत को क्रिकेट में अपनी सेवायें फ्री क्रिकेट कैम्प लगाने के लिए, अश्वनी मालवीय इटारसी में तीरंदाजी को सिखाने एवं प्रमोट करने के लिए, जगदीश जुनानिया को पॉवर लिफ्टिंग के लिए, जैद खान एवं सुंदरम राजावत को हॉकी के लिए, विनीत यादव को पेरा स्पोर्ट्स में गोला फेंक के लिए, समीक्षा सराठे तथा सनी सेन को हॉकी के लिए, मोती सिंह राजपूत को कबड्डी के लिए, स्कूल के स्पोर्ट टीचर कृष्णा साहू को फुटबॉल के लिए तथा कबड्डी को शानदार रूप से आयोजित करने के लिए करणी सेवा टीम का श्रीफल तथा ट्रॉफी देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। नपा अध्यक्ष पंकज चोरे ने कहा कि शिक्षा में अव्वल रहने के साथ साथ खेल में भी आगे रहे, क्योंकि खिलाड़ी डिप्रेशन का शिकार नहीं होते हैं। उन्हें हारने की भी आदत होती है। आज हारने के बाद अगले दिन जीत की तैयारी में लग जाते हैं। जिलाध्यक्ष कांग्रेस शिवाकांत पांडे ने कहा कि स्टूडेंट्स को अपनी पढ़ाई में ज्यादा ध्यान देना चाहिए। मोबाइल से दूर रहना होगा, तभी वह अपनी शिक्षा के साथ ही खेलों पर भी ध्यान दे सकेंगे। कुलभूषण मिश्रा ने कहा कि स्कूल में शिक्षा के साथ साथ खेलों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कार्यक्रम का सफल संचालन मनीता सिद्दीकी द्वारा किया गया तथा उपस्थित अतिथियों एवं खिलाडियों, कोच, प्रमोटर तथा अभिभावकों का आभार डायरेक्टर जाफर सिद्दीकी द्वारा किया गया।

गणेशोत्सव में नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

सिरोंज। नगर में श्री गणेश जन्मोत्सव समारोह में गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में रात्रि में छोटी-छोटी बलिकाओं द्वारा भक्ति संगीत नृत्य प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति दी। धार्मिक भजनों पर आधारित इस नृत्य प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रथम पुरुस्कार में 1500 रुपए प्रमाण पत्र, ग्रुप डांस में नैनसी और नीतु को द्वितीय पुरुस्कार में 1000 रुपए, ग्रुप डांस में ही आकंसी और मानसी एवं तृतीय पुरुस्कार में 700 रुपए एकल डांस में अछरा सेन को मिला। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए। मुख्य अतिथि के रूप में आरएन शर्मा, कृष्ण बिहारी पांडे, घनश्याम रघुवंशी, पार्षद प्रतिनिधि बलजीत यादव एवं अंकिता शर्मा द्वारा गणेश के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया।

मेजर ध्यानचंद का सागर से पारिवारिक रिश्ता: जैन

सागर। राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में खेल और युवा कल्याण विभाग खेल परिसर के हॉकी टर्फ खेल मैदान में खेल दिवस को खेल उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ खिलाड़ी दविन्दर भाटिया, एड.वीनू राणा एवं जिला फुटबॉल संघ सचिव विशाल तोमर उपस्थित रहे। खेल उत्सव के दौरान बालक एवं बालिका वर्ग में कबड्डी, बास्केटबॉल, मलखम्ब, खो-खो तथा ताइक्वांडो, व्हालीबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन एवं टेबल-टेनिस, हॉकी एवं वाटर स्पोर्ट्स खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों को फिट इंडिया के अंतर्गत शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेष सिन्हा ने कहा कि मैदान से लगातार जुड़े रहें,मैदान ही सफलता दिला सकता है इसलिए लगातार मैदान में आकर अभ्यास करते रहे। नई तकनीकि के दौर में पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी बहुत जरूरी है।

स्कूल की जमीन पर बन रहा स्टेडियम

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुरानी इटारसी में मध्य प्रदेश मप्र गृह निर्माण मंडल हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित की गई आवासीय कालोनी पलकमति नगर में नर्सरी स्कूल के लिए एक संस्था को आवंटित भूखंड पर तैयार हो रहे इंडोर स्टेडियम को लेकर कांग्रेस नेताओं ने नगर पालिका की कार्यशैली पर कई सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने नगर पालिका एवं जनप्रतिनिधियों पर सरकारी धन के दुरूपयोग, नियमों के उल्लंघन की शिकायत की गई है। करीब 87 लाख रुपए से तैयार हो रहे स्टेडियम को लेकर जिला कांग्रेस महामंत्री राजेन्द्र तोमर, अमोल उपाध्याय, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राठौर, अशोक जैन ने जानकारी दी। नेताओं ने जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 1994 में हाउसिंग बोर्ड को कालोनी विकसित करने के लिए 9 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई थी। सहायक संचालक नगर एवं ग्राम निवेश द्वारा 1999 में ले आउट मंजूर कर 18722 वर्गफुट जमीन नर्सरी स्कूल के लिए सुरक्षित की गई। बोर्ड की अनुशंसा पर संपत्ति अधिकारी ने नर्सरी स्कूल हेतु सेन्ट्रल अकादमी एजुकेशन सोसाइटी को आवंटन आदेश जारी किया गया।

नियमों के उल्लंघन की शिकायत

कन्यादान योजना की राशि अटकी

51 हजार के लिए भटक रहे हैं नवविवाहित जोड़े

मनोज गौड। खरगोन

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत शादी करने वाले जोड़ों को अब तक योजना की राशि नहीं मिली है। इस वजह से नवविवाहित जोड़े आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 51 हजार रुपए मिलना था, लेकिन चार माह बीत जाने के बावजूद भुगतान नहीं हुआ है। 14 अप्रैल 2025 को आयोजित सामूहिक विवाह में शामिल हुए कई जोड़े कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपा। शिकायत करने वालों में विकास-शिवानी, विनोद-अंकिता और अरुण-भूमिका शामिल थे। उन्होंने बताया कि कसरावद जनपद में 206 जोड़ों का विवाह कराया गया था, जिसमें स्थानीय नेता भी मौजूद थे।

कर्ज लेकर की थी शादी

अब तक योजना की राशि उनके खाते में नहीं पहुंची है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने विवाह आयोजन के लिए रिश्तेदारों से उधार लिया था और कई जोड़ों ने कर्ज लेकर शादी की। अब ब्याज सहित कर्ज चुकाने का दबाव बढ़ रहा है। जोड़ों ने बताया कि वे लगातार जनपद कार्यालय से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन वहां से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा। न तो भुगतान की तारीख बताई जा रही है और न ही प्रक्रिया कब पूरी होगी, इसकी जानकारी दी जा रही है। नवविवाहितों ने प्रशासन से मांग की है कि उन्हें शीघ्र योजना की राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे कर्ज से उबर सकें और विवाह के बाद की नई जिंदगी को आसानी से शुरू कर सकें।

वन विभाग के अमले की लापरवाही से वन्य प्राणियों का जीवन भी खतरे में

टाइगर रिजर्व में सक्रिय है वन माफिया सागौन के पेड़ काटकर हो रही तस्करी

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

टाइगर रिजर्व में वृक्षों की विविधता है, जिसमें मूल्यवान सागौन बहुतायत में पाया जाता है, लेकिन उसी सागौन का अस्तित्व खतरे में है। टाइगर रिजर्व की सर्रा वन परिक्षेत्र की बीटों में वन माफियाओं द्वारा सागौन की कटाई की जा रही है और वन अमला नजरअंदाज बना हुआ है।

मामला नौरादेवी टाइगर रिजर्व की सर्रा रेंज की महका बीट का है। जहां पर अवैध सागौन की कटाई हो रही है। सागौन कटाई का ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल किया है। जिसमें सागौन के कटे हुए कुछ पेड़ ताजे दिखाई दे रहे हैं, वहीं कुछ पेड़ 10 दिन पुराने दिख रहे हैं। ग्राम सारसबगली के लोगों ने बताया कि पहले इस बीट में सागौन के पेड़ नहीं थे। जब से फैसिंग हुई है, तब से सागौन के पेड़ों की संख्या बढ़ी है। मुड़कटिया नाम की जगह पर बड़ी संख्या में सागौन के पेड़ काटे गए हैं। टाइगर रिजर्व में पर्याप्त स्टाफ होने के बावजूद शिकारियों व सागौन तस्करों पर रोक नहीं लग पा रही है। हाल ही में जंगली सुअर का मांस पकते हुए श्वान ने पकड़वाया था। इसकी सुरक्षा में सेंध होने के कारण वन्य प्राणियों का शिकार होना व सागौन की कटाई होना लगातार जारी है।

सागौन के लिए जाना जाता है टाइगर रिजर्व

टाइगर रिजर्व पहले नौरादेही अभ्यारण्य हुआ करता था। जिसकी स्थापना 1975 में की गई थी। टाइगर रिजर्व 3 जिले की सीमा में फैला हुआ है। जिसमें दमोह, सागर व नरसिंहपुर जिला शामिल है। टाइगर रिजर्व में काफी पुराने वृक्ष लगे हुए हैं। स्थिति यह है कि कभी सागौन के लिए अपनी पहचान बनाने वाले इस टाइगर रिजर्व में अब सागौन विलुप्त होने की कगार पर है। लॉकडाउन के दौरान भी सागौन कटाई के मामले सामने आए थे, लेकिन इसे रोकने के कोई खास इंतजाम नहीं हुए।

आगे कार्रवाई की जाएगी

अवैध कटाई की सूचना मिली थी। जो जगह बताई जा रही है, वहां पर काटे गए सागौन के ठूंठ नहीं मिले हैं। फिर से जांच की जा रही है। अगर मौके पर कटाई पाई जाती है, आगे कार्रवाई की जाएगी।
-टीआर कुलस्ते, वन परिक्षेत्र अधिकारी, सर्रा रेंज, टाइगर रिजर्व

बाघों की मौजूदगी भी नहीं आ रही काम

टाइगर रिजर्व में इन दिनों 25 से अधिक बाघ-बाघिन का कुनबा मौजूद है। इन बाघों को बीते वर्ष 2018 में नौरादेही अभ्यारण्य के समय यहां पर लाया गया था। उस दौरान डीएफओ, सीसीएफ यह बात कही थी कि बाघों की मौजूदगी का असर अवैध कटाई की रोकथाम में होगा, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। जिस स्तर पर टाइगर रिजर्व में कटाई का सिलसिला चल रहा है। उससे साफ जाहिर है कि अवैध कटाई करने वाले आरोपियों को बाघों की मौजूदगी से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उलटा बाघों की सुरक्षा ही खतरे में आ गई है। टाइगर रिजर्व में बाघों के साथ ही अन्य जंगली और शाकाहारी जानवर हैं, उसके बाद यहां सागौन की कटाई होना वन अमले की गश्ती व सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर रहा है।

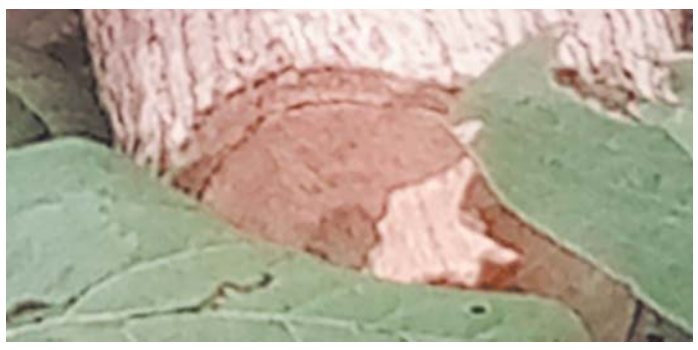

एआई आधारित जलीय पर्यावरण प्रयोगशाला शुरू

जबलपुर। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर और नेचर डॉट्स के संयुक्त सहयोग से भारत की पहली एआई आधारित जलीय पर्यावरण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। इसे मत्स्य पालन क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, कार्यबल सशक्तिकरण एवं सतत विकास की दिशा में एक नया मील का पत्थर माना जा रहा है। इस प्रयोगशाला का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार प्रो. (डॉ.) एस. पी. सिंह बघेल द्वारा वर्चुअल मोड से किया गया। इस अवसर पर पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. मंदीप शर्मा ,डॉ. सागर मेहरा (संयुक्त सचिव, अंतर्देशीय मत्स्य, भारत सरकार), मनोज कुमार पथरोलिया (संचालक, मत्स्य पालन विभाग), डॉ. एस.के. महाजन (डीन, ष्टह्वस्र, जबलपुर) तथा नेचर डॉट्स के सह-संस्थापक स्नेहल वर्मा और आतिश खान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, महाविद्यालयों के डीन, प्रोफेसर, विद्यार्थी भी वर्चुअल रूप से जुड़े।

एसपी कार्यालय और पुलिस लाइन का निरीक्षण

नर्मदापुरम। डीआईजी प्रशांत खरे ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय और पुलिस लाइन, नर्मदापुरम का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों परिसरों में विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली, व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीआईजी खरे ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय की प्रशासनिक शाखाओं, महिला हेल्प डेस्क, शिकायत प्रकोष्ठ, रिकॉर्ड शाखा और रिसेप्शन का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय के संचालन में अनुशासन, पारदर्शिता और अभिलेखों की स्थिति को सराहा। साथ ही, उन्होंने शिकायतों के त्वरित निराकरण और कार्यालय की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सराहना भी की। पुलिस लाइन में उन्होंने आम्स शाखा, स्टोर शाखा, बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड टीम, मोटर ट्रांसपोर्ट शाखा, पुलिस कैंटीन, दिशा लर्निंग सेंटर और जिम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संसाधनों के उचित रखरखाव और तकनीकी सुधारों पर जोर दिया। डीआईजी ने विशेष रूप से उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों की प्रशंसा की और उन्हें सम्मानित भी किया।

शिवपुरी नगरपालिका के तीन अफसरों को लापरवाही करने पर किया निलंबित

आयुक्त संकेत भोंडवे ने अनियमितता मिलने पर अपनाया सख्त रुख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा निकायों की कार्यप्रणाली में अनुशासनहीनता एवं अनियमितता को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद, शिवपुरी के वर्तमान मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) ईशांक धाकड़ तथा पूर्व सीएमओ शैलेष अवस्थी एवं केशव सिंह सगर को निलंबित कर दिया गया है।

गौरतलब है कि नगर पालिका परिषद, शिवपुरी का गठन अगस्त 2022 में हुआ था। तब से लेकर अब तक कार्यालयीन अव्यवस्था, कार्यों में लापरवाही और जवाबदेही की कमी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई है। प्राप्त शिकायतों एवं शिवपुरी कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि इन तीनों अधिकारियों द्वारा कार्यालय व्यवस्था सुधारने के लिए कोई प्रभावी पहल नहीं की गई। इसके चलते निकाय में अराजकता एवं अविश्वास का वातावरण निर्मित हुआ। आयुक्त श्री भोंडवे द्वारा तीनों सीएमओ को निलंबित कर दिया गया है, ईशांक धाकड़ (वर्तमान सीएमओ) को निलंबन अवधि के दौरान संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन कार्यालय, ग्वालियर मुख्यालय पर उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है। वहीं शैलेष अवस्थी तथा केशव सिंह सगर (पूर्व सीएमओ) को निलंबन अवधि के दौरान संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन कार्यालय, इंदौर मुख्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।तीनों अधिकारियों को इस दौरान जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। भोंडवे द्वारा स्पष्ट किया गया है कि निकायों में सुशासन, पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी ऐसी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

पूर्व में तीन हत्याओं में सुनाई जा चुकी है सजा

चौकीदार की हत्या मामले में सिरियल किलर को उम्र कैद

सागर। दोपहर मेट्रो

चौकीदारों के बहुचर्चित सीरियल किलर मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है। आरोपी को अंतिम हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि आरोपी ने सागर में तीन सुरक्षा गार्ड और भोपाल में एक सुरक्षा गार्ड की हत्या की थी। सागर में हत्या के तीसरे मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रशांत सक्सेना की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सीरियल किलर के आरोपी शिवप्रसाद उर्फ हल्कू धुर्वे को उम्र कैद की सजा सुनाई। जिला अभियोजन सागर के मीडिया प्रभारी सौरभ डिम्हा ने बताया कि 31 अगस्त 2022 की रात करीब 1 बजे मंगल अहिवार नाम के एक व्यक्ति को उसका भतीजा सचिन जिला अस्पताल लेकर पहुंचा था। घायल का माथा फटा था। ड्यूटी डॉक्टर ने घटना की सूचना थाना प्रभारी गोपालगंज को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जिसमें बताया गया कि घायल व्यक्ति संत रविदास वार्ड में रहता है और मिस्त्री का काम करता है। रात करीब 9 बजे वह खाना खाकर अकेला सो रहा था। तभी अज्ञात व्यक्ति ने सोते समय जान से मारने की नियत से फावड़े से सिर पर वार किया। चिल्लाने पर वह फावड़ा लेकर भाग गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच में लिया। इलाज के दौरान मंगल अहिरवार की भोपाल में मौत हो गई। पुलिस ने मामले में हत्या की धारा बढ़ाई। कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवप्रसाद उर्फ हल्कू धुर्वे को गिरफ्तार किया। जांच पूरी होने पर न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने 29 साक्षियों की गवाही कराई। एफएसएल साक्ष्य पेश किए। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया और उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी शिवप्रसाद धुर्वे ने सागर के सिविल लाइन थाना, कैंट थाना और मोतीनगर थाना क्षेत्र में सोते समय तीन सुरक्षा गार्डों की हत्या की थी। इसके अलावा भोपाल में भी एक गार्ड की हत्या की थी। सिविल लाइन, गोपालगंज थाना के हत्या के मामलों में कोर्ट ने आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही भोपाल के हत्या मामले में भी आरोपी को आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है।

बिजली के टावर पर चढ़कर प्रेम का इजहार

दमोह। जिले के हिंडोरिया थाना क्षेत्र में आने वाले हलगज गांव के पास राजस्थान के दौसा का रहने वाला एक 25 वर्षीय युवक इलेक्ट्रिक टावर पर चढ़ गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को खबर की तो हिंडोरिया टीआई धर्मेंद्र गुर्जर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दौरान पटेरा थाना क्षेत्र की एक युवती ने भी पुलिस से संपर्क किया और युवक के बारे में जानकारी दी। धर्मेंद्र गुर्जर ने बताया कि युवक दिलखुश योगी राजस्थान का है। इंस्टाग्राम पर उसने दमोह की युवती से दोस्ती की थी। दोनों की दोस्ती प्रेम में बदल गई और युवक उससे मिलने के लिए दमोह आ गया। युवक ने युवती को बांदकपुर बुलाया था। यहां युवक ट्रेन से पहुंचा था, लेकिन युवती ने आने से मना कर दिया तो गुस्साए प्रेमी ने उसे धमकी दी कि वह आत्महत्या कर लेगा और उसके बाद वह वहां से हलगज गांव की ओर निकल गया। रास्ते में एक टावर मिला जिस पर वह चढ़ गया। वहां से उसने युवती को फोन पर जानकारी दी कि वह टावर पर चढ़ा है। पुलिस ने समझाइश देकर युवक को उतारा और हिरासत में ले लिया।

मेट्रो एंकर

जैन समाज के युवाओं में पर्यूषण पर्व को लेकर उत्साह

क्षमा और नियंत्रण के साथ आत्मा-शरीर में भेद सिखाता है धर्म

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दशलक्षण पर्व हमें आत्मा और शरीर से भेद विज्ञान करना सिखाता है। दस दिनी दशलक्षण पर्यूषण पर्व को लेकर जैन समाज के युवाओं में उत्साह है। युवाओं ने कहा कि यह पर्व आत्मानुभूति का महापर्व है। यह पर्व जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा विशेष रूप से मनाया जाता है। पर्युषण पर्व जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। जिसमें आत्मा शुद्धि क्षमा और आत्म नियंत्रण पर जोर दिया जाता है। पर्युषण पर्व युवाओं को आत्म विकास और आत्म शुद्धि के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। युवाओं को क्षमा और सहिष्णुता के महत्व को समझने और आध्यात्मिक विकास के लिए प्रेरित करता है। पर्यूषण पर्व पर कई जैन अनुयायी अपनी क्षमता के अनुसार कठिन तपस्या के साथ ही अपनी क्षमता अनुसार व्रत रखते हैं। जिसमें बिना अन्न-जल या फल का सेवन किए उपवास रखा जाता है। पर्युषण पर्व के दौरान जैन धर्म के अनुयायी एक साथ आते हैं और अपने मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए एक साथ उपवास और ध्यान करते हैं।

यह पर्व किसी को पीड़ा न देने की देता है शिक्षा

शुभम जैन कहते हैं कि मै पर्यूषण पर्व के दौरान व्रत करता हूं। यह उपवास आत्म शुद्धि और आत्म कल्याण के उद्देश्य से किए जाते हैं, जिसमें शरीर और आत्मा को शुद्ध करने का प्रयास किया जाता है।

महक जैन ने बताया कि यह एक आध्यात्मिक पर्व है जो कि हर साल भाद्रपद मास में मनाया जाता है। इस दौरान मुझे ईश्वर से जुड़े रहने का अनुभव होता है। इससे मन को शांति भी मिलती है।

श्रेयांश जैन कहते हैं कि पूरे साल भर में जो भी जाने-अनजाने में एक दूसरे के प्रति व्यवहार में वाणी, व्यवहार या फिर कर्म के माध्यम से किसी को पीड़ा पहुंची हो तो उन सभी से क्षमा मांगने और क्षमा करने का यह महापर्व है।

प्रिया जैन कहती हैं कि पर्युषण व्रत को रखने वाले को किसी भी प्रकार का छल, कपट, प्रपंच और लालच नहीं करना चाहिए। अन्न का मन पर सीधा प्रभाव पड़ता है, इसलिए खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

जनता की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर चौकसी बरती जाए

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

गणेश विसर्जन पर्व को लेकर थाना शिकारपुरा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारियां की गईं। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वयं विसर्जन स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारी कमल सिंह पवार के नेतृत्व में ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों को विशेष पुलिस अधिकारी की ड्रेस प्रदान की गई तथा उन्हें सुरक्षा व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक जानकारी देकर थाना क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। कलेक्टर ने कहा कि गणेश विसर्जन के दौरान सौहार्द और शांति का वातावरण बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने थाना शिकारपुरा पुलिस टीम एवं ग्राम रक्षा समिति की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए हर स्तर पर चौकसी बरती जाएगी। थाना प्रभारी कमल सिंह पवार ने भी ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

एशिया कप से पहले बीसीसीआई का फैसला

टीम इंडिया के साथ UAE नहीं जाएंगे 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। एशिया कप इस बार 9 सितंबर को शुरू होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है। संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहे इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है।

भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप के लिए यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल को स्टैंड बाय खिलाड़ियों के तौर पर रखा है। पहले अटकलें लग रही थीं कि ये पांचों खिलाड़ी भारतीय टीम के साथ यूएई जा सकते हैं, लेकिन अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने साफ कर दिया है कि स्टैंड बाय के तौर चुने गए खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में ये बात निकलकर सामने आई है। जब बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछा गया कि क्या ये खिलाड़ी नेट बॉलर या बैकअप के तौर पर टीम के साथ जाएंगे, तो उन्होंने पीटीआई से कहा, नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई की यात्रा नहीं करेंगे। बता दें कि भारतीय टीम मैनेजमेंट कम खिलाड़ियों के साथ यात्रा करना चाहती है। अगर जरूरत पड़ी तो स्टैंडबाय खिलाड़ियों को बाद में दुबई बुलाया जाएगा।

भारतीय टीम में तीन ओपनर बल्लेबाज मौजूद

भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे ओपनर मौजूद हैं। इसलिए यशस्वी जायसवाल तभी मुख्य स्क्वॉड में शामिल होंगे, जब कोई सलामी बल्लेबाज चोटिल होगा। इसी तरह जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से कोई बाहर होता है, तो ही तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा।

एशिया कप के भारतीय टीम 17 खिलाड़ियों की हो सकती थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने मुख्य स्क्वॉड में सिर्फ 15 खिलाड़ियों को ही चुना। भारतीय खिलाड़ी इस बार अपने-अपने शहरों से सीधे दुबई जाएंगे। यानी वो एक साथ दुबई की यात्रा नहीं करेंगे। 4 सितंबर को दुबई भारतीय खिलाड़ी इकट्ठा होंगे। भारतीय टीम का पहला नेट सेशन 5 सितंबर को आईसीसी एकेडमी में होगा।

टीम इंडिया का पहला मुकाबला यूएई से

एशिया कप में भारतीय टीम अपना पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 14 सितंबर को वो दुबई में ही पाकिस्तान से भिड़ेगी। एशिया कप में भारतीय टीम अपना आखिरी ग्रुप मैच 19 सितंबर को अबूधाबी में ओमान से खेलेगी। ग्रुप स्टेज के बाद सुपर-4 मुकाबले होंगे। सुपर-चार स्टेज में टॉप पर रहने वाली दो टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में ही थमी चुनौती, इस साल नहीं दिख रहा जलवा

इतिहास रचने से चूकीं पीवी सिंधु

पेरिस, एजेंसी

भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु का वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2025 में सफर समाप्त हो गया है। पेरिस में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में पीवी सिंधु वूमेन्स सिंगल्स में अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला हार गईं। 15वीं वरीयता प्राप्त सिंधु को इंडोनेशिया की कुसुमा वर्दानी के हाथों 14-21, 21-13, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। 9वीं वरीयता हासिल वर्दानी ने यह मुकाबला 1 घंटा और 8 मिनट में जीता।

देखा जाए तो पीवी सिंधु के लिए साल 2025 कुछ खास नहीं रहा है। पीवी सिंधु ने इस साल 13 मैच हारे हैं, जबकि उन्होंने केवल नौ में जीत हासिल की। सिंधु इस साल केवल दो बार किसी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रहीं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप से पहले सिंधु साल की शुरुआत में इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थीं।

डेटा साइंस के मास्टर से शादी रचाएंगी पीवी सिंधु- पीवी सिंधु इंडिया ओपन के बाद इंडिनेशिया मास्टर्स में खेलीं, जहां वो राउंड ऑफ 32 में हारकर बाहर हुईं। इसके बाद ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप और स्विस ओपन में सिंधु अपने पहले राउंड के मुकाबले गंवा बैठीं। फिर बैडमिंटन एशियन चैम्पियनशिप में सिंधु को राउंड ऑफ 16 में जापान की अकाने यामागुची ने हराया। मलेशिया मास्टर्स में पीवी सिंधु पहले राउंड में हारीं। जबकि सिंगापुर ओपन और इंडोनेशिया ओपन में उन्हें राउंड ऑफ 16 में हार झेलनी पड़ी। पीवी सिंधु ने जापान ओपन में भी भाग लिया, जहां वो पहले ही दौर में हार गईं। जबकि चाइना ओपन में उन्हें हमवतन उन्नति हुड्डा राउंड ऑफ-16 में हरा दिया।

तो इतिहास रच देतीं पीवी सिंधु

पीवी सिंधु का विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में दमदार रिकॉर्ड रहा है। सिंधु ने साल 2019 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा सिंधु इस टूर्नामेंट में दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुकी हैं। सिंधु यदि वर्दानी के खिलाफ मुकाबला जीत लेतीं तो वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पिनशिप में उनका ये छठा पदक होता। देखा जाए तो सिंधु वर्ल्ड चैम्पियनशिप में महिला सिंगल्स में छह पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने चूक गईं। पीवी सिंधु ने इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-2 चीनी खिलाड़ी झी यी वांग के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। तब ऐसा लगा था कि वो फॉर्म में लौट आई हैं, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ वो अपना बेस्ट नहीं दे पाईं। सिंधु ने रियो ओलंपिक (2016) में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता था।

एशिया कप में भारतीय हॉकी टीम का विजयी आगाज

चीन को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत की हैट्रिक

मुकाबले में पहले क्वार्टर में भारतीय टीम चीन पर हावी रही

राजगीर , एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम ने एशिया कप 2025 में जीत के साथ आगाज किया है। 29 अगस्त (शुक्रवार) को बिहार के राजगीर में खेले गए मुकाबले में भारत ने चीन को 4-3 से हराया। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन गोल (20वें मिनट, 33 वें मिनट और 47वें मिनट) दागे। जबकि जुगराज सिंह ने एक गोल (18वें मिनट) किया। चीन की तरफ से दु शिंहाओ (12वें मिनट), चेन बेनहाई (35वें मिनट) और गाओ जिशेंग (41वें मिनट) गोल करने में सफल रहे। भारतीय टीम अब अपने अगले मुकाबले में 31 अगस्त को जापान का सामना करेगी।

मुकाबले में पहले क्वार्टर में भारतीय टीम चीन

पर हावी रही, लेकिन वो कोई गोल नहीं कर पाई। दूसरी ओर दु शिंहाओ ने खेल के 12वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके चीनी टीम को 1-0 की लीड दिला दी। फिर दूसरे क्वार्टर के तीसरे मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारतीय टीम को बराबरी दिला दी।

भारत ने कितनी बार जीता एशिया कप?

एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट का ये 12वां संस्करण है। भारतीय टीम अब तक तीन बार एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट अपने नाम कर चुकी है। भारतीय टीम ने 2003, 2007 और 2017 में खिताब जीता था। पाकिस्तानी टीम भी तीन बार (1982, 1985, 1989) एशिया कप में विजेता रह चुकी है। साउथ कोरिया ने सर्वाधिक पांच बार (1994, 1999, 2009, 2013, 2022) एशिया कप जीता है। भारत को पूल-ए में चीन, कजाकिस्तान और जापान के साथ रखा गया है। जबकि पूल-बी में

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए जिम्बाब्वे के कप्तान क्रेग इरविन

हरारे । जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम 2008 के बाद पहली बार श्रीलंका क्रिकेट टीम की मेजबानी कर रही है। श्रीलंका दो वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर है। जिम्बाब्वे को तगड़ा झटका लगा है। कप्तान क्रेग इरविन वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रेग इरविन पिंडली की चोट की वजह से वनडे सीरीज से बाहर हुए हैं। गुरुवार को हुए एमआरआई स्कैन में इरविन की पिंडली में चोट का पता चला। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह सीन विलियम्स टीम की कप्तानी कर रहे हैं। क्रेग इरविन कप्तान के साथ-साथ टीम के अहम बल्लेबाज हैं। 40 साल के इरविन ने 128 वनडे मैचों में 4 शतक और 23 अर्धशतक लगाते हुए 3600 रन बनाए हैं। क्रेग इरविन के टीम से बाहर होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर की टीम में लगभग 4 साल बाद वापसी हुई है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर रिलीज

इन्वेस्टर की तलाश में माफिया के चंगुल में फंस गईं तमन्ना-डायना

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को आखिरी बार फिल्म 'ओडेला-2' में देखा गया था, तभी से ही दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार था। इस बार वे फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज लेकर आ रही हैं। तमन्ना भाटिया की नई वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर जारी हो गया है। 'डू यू वाना पार्टनर' के ट्रेलर में दो दोस्त शिखा (तमन्ना भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) की कहानी है। वे अपनी जॉब से बोर हो चुकी हैं और खुद का बिजनेस करना चाहती हैं। फिर उन्हें खुद का बीयर ब्रांड लॉन्च करने का एक दमदार आइडिया आता है। इसके लिए उन्हें निवेशकों की दरकार है। उसकी तलाश में ये एक महिला गैंगस्टर (श्वेता तिवारी) और बाद में एक माफिया के चंगुल में फंस जाती हैं। इन सबसे बचकर दोनों अपना ब्रांड लॉन्च कर पाती हैं या नहीं, यही इस सीरीज की स्टोरी है। यह सीरीज धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा, यह दोस्ती, संघर्ष और सबसे अजीबोगरीब विचारों को हकीकत में बदलने के साहस का जश्न है।

टीवी सीरियल छोटी बहू से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रुबीना दिलैक इन दिनों रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने पति अभिनव शुक्ला संग सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे देख फैंस दंग रह गए।

पति अभिनव संग दिखा रुबीना दिलैक का दिलकश अंदाज

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह पति अभिनव के संग नजर आ रही हैं। फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि ये तस्वीरें पति पत्नी और पंगा के सेट की हैं। रुबीना ने मिनिमल मेकअप के साथ लाइट पर्पल कलर की ड्रेस पहनी है। वहीं बालों को खुला छोड़ रखा है। लुक को और आकर्षक बनाने के लिए वाइट शूज पहने हुए हैं। रुबीना ने इसके कैप्शन में लिखा, ये मेरा पति, मैं इसकी पंगा, मेरा मतलब है पत्नी।

यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में कई तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप दोनों की जोड़ी मुझे बहुत अच्छी लगती है, तो दूसरे ने लिखा, दोनों को किसी की नजर न लगे, तो कुछ को ये बेस्ट कपल लगा। वहीं कुछ प्रशंसकों ने हैशटैग के साथ लिखा रुबिनव, यानी रुबीना और अभिनव का मेल! रुबिना और अभिनव 21 जून 2018 को शिमला में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की जुड़वा बेटियां हैं।

बता दें, इन दिनों ये जोड़ी कलर्स टीवी रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही है। इससे पहले अभिनव और रुबीना ने आईएएनएस से बातचीत में कहा था कि वे पेरेंट्स बनने के बाद एक-दूसरे को अच्छे से टाइम नहीं दे पा रहे थे और अब वे एक-दूसरे को शो के जरिए ज्यादा समय दे सकेंगे और मस्ती भी कर पाएंगे।

2026 की पहली छमाही में आ सकता है रिलायंस जियो का आईपीओ : मुकेश अंबानी

मेट्रो बाजार

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की टेलीकॉम इकाई रिलायंस जियो 2026 की पहली छमाही में अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) पेश करेगी। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को दी। अंबानी ने कंपनी की 48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा, ÷आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि जियो अपना आईपीओ लाने की

तैयारी कर रही है।उन्होंने कहा कि जियो का आईपीओ 2026 की पहली छमाही में आ सकता है, हालांकि, यह सभी जरूरी एप्रूवल के आधीन है। एजीएम में अंबानी ने आगे कहा कि अपने ऑपरेशन शुरू करने के 10 वर्षों के अंदर जियो के यूजर्स की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच गई है। उन्होंने कहा, ÷अब से बस एक हफ्ते बाद, जियो राष्ट्र सेवा के अपने 10वें वर्ष में प्रवेश करेगा। पीछे मुड़कर देखें तो ये वर्ष भारत के डिजिटल इतिहास में सबसे गौरवशाली रहे हैं। उन्होंने शेयरधारकों को बताया कि जियो परिवार के ग्राहकों की संख्या 50 करोड़ को पार कर गई है, जो अटूट विश्वास और समर्थन का प्रतीक है।

जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद 7.8% बढ़ा, राजकोषीय घाटा 29.9% पर पहुंचा

नई दिल्ली। सरकार ने जून तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी कर दिए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश का सकल घरेलू उत्पाद वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में यह भी बताया गया है कि देश का बजटीय घाटा या राजकोषीय घाटा बढ़कर 29.9 फीसदी पर पहुंच गया है। अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। अमेरिका की ओर से विनाशकारी टैरिफ लगाए जाने से पहले बीती पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण हुई। भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, क्योंकि अप्रैल-जून की अवधि में चीन की जीडीपी वृद्धि 5.2 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, पिछली उच्चतम जीडीपी वृद्धि 2024 के जनवरी-मार्च में 8.4 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय

सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2024-25 की अप्रैल-जून अवधि में 1.5 प्रतिशत थी। हालांकि, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि मामूली रूप से बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 7.6 प्रतिशत थी। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

सर्पदंश के बाद शोर मचाया तो पल्ली के नीचे मिला मेंटक

टपरे में सो रहे किसान को सांप ने काटा, मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव खींचीताल कनेरा में शुक्रवार तड़के किसान को सांप ने काट लिया। उसने शोर मचाया और पास सो रहे भाभी और बच्चों ने उठकर देखा। इस दौरान पल्ली (चादर) के नीचे मेंढक नजर आया। इधर कुछ ही देर बाद किसान की हालत बिगड़ने लगी। भाभी ने सरपंच से संपर्क किया। सरपंच उसे अपनी कार से सलामतपुर के पास एक झाड़फूंक करने वाले वैद्य के घर लेकर पहुंचा, वहां वैद्य ने किसान को मरा बताते हुए अस्पताल जाने की सलाह दी। परिजन उसे घर ले आए और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगी। इसी बीच पुलिस को घटना की जानकारी मिली और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की। शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

हेड कांस्टेबल अरविंद जाट ने बताया कि फूलसिंह सहरिया (45) गांव खींचीताल कनेरा में रहते थे। उनका खेत पर ही टपरा बना है। वह अविवाहित थे। दो साल पूर्व उनके बड़े भाई की मौत हो गई और वह भाभी और तीन बच्चों के साथ टपरा बनाकर रह रहे थे। गुरुवार रात उन्होंने भाभी और बच्चों के साथ खाना खाया। इसके बाद सो गए। टपरिया में दस-दस फीट के दो कमरे में एक कमरे में वह सो रहे थे, जबकि दूसरे कमरे में भाभी और बच्चे थे। शुक्रवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे फूलसिंह ने शोर मचाया कि सांप ने डस लिया। भाभी और बच्चे आए। इसके बाद फूलसिंह जिस पल्ली पर सो रहा था उसे हटाकर देखा गया। वहां सांप तो नहीं मिला, लेकिन मेंढक जरूरी मिली। सिर के पास जलन होने और निशान दिखने से अनुमान लगाया जा रहा है कि फूलसिंह को सिर के पास सांप ने काटा था। पुलिस का अनुमान है कि मेंढक खाने के इरादे से सांप टपरे में घुसा था। इस दौरान उसने फूलसिंह को काट लिया।

पत्नी सहित तीन पर आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का केस दर्ज

टेंट कारोबारी ने फांसी लगाकर दी जान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अयोध्या नगर में रहने वाले एक टेंट कारोबारी ने आत्महत्या कर ली थी। उक्त प्रकरण में पुलिस ने टेंट कारोबारी की पत्नी समेत तीन पर आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का प्रकरण दर्ज किया है। आत्महत्या के कुछ दिन बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ था। वीडियो में उसने पत्नी के साथ ही सास-ससुर पर गंभीर आरोप लगाए थे।

जानकारी के अनुसार हिमांशु यादव (30) भवानी टाउन, नरेला शंकरी में रहते थे और टेंट का कारोबार करते थे। 11 अगस्त को हिमांशु ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि जून 2023 में हिमांशु की शादी रायसेन निवासी वैशाली यादव के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही वैशाली का व्यवहार परिजन के प्रति बदल गया था, जिसको लेकर दंपती के बीच विवाद होने लगे थे। करीब एक महीने पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ तो वैशाली के पिता और भाई भोपाल पहुंचे और वैशाली को अपने साथ लेकर चले गए थे। कुछ दिन बाद हिमांशु ने पत्नी को ससुराल बुलाया। उसने आने से इंकार कर दिया और मोबाइल पर बातचीत भी बंद कर दी थी। इसको लेकर हिमांशु डिप्रेशन में रहने लगा।

वीडियो आने के बाद दर्ज हुआ प्रकरण

मामले की जांच के दौरान पुलिस को हिमांशु का एक वीडियो मिला, जिसमें उसने अपनी पत्नी और सास-ससुर को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। यह वीडियो आत्महत्या से ठीक पहले का बताया गया है। वीडियो में हिमांशु ने बताया कि ससुर उसे और उसके पिता को जेल भिजवाने की धमकी देते हैं, जबकि पत्नी लौटने के लिए तैयार नहीं है। इस आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी और सास-ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, पांच दिन पहले ही किया था जिम ज्वाइन

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अरेरा कॉलोनी ई-6 के पास मीरा नगर झुग्गी में रहने वाले दसवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार आरव सिंह पिता सुग्रीव कुमार (18) दसवीं कक्षा का छात्र था। उसने इसी वर्ष दसवीं का प्राइवेट फार्म भरा था। आरव के पिता सुग्रीव माली का काम करते हैं, जबकि मां घरों में काम करने जाती है। शुक्रवार सुबह माता पिता काम पर चले गए थे। घर में आरव और उसकी छोटी बहन थी। बहन पड़ोस में चली गई। दोपहर में बहन लौटी तो आरव के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। उसे कॉल किया, लेकिन वह कॉल रिसीव भी नहीं कर रहा था। बहन ने पिता और मां को बताया। मां-पिता घर पहुंचे और पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। इस दौरान आरव फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है।

आत्महत्या के कारण अज्ञात, पुलिस जांच में जुटी

पांच दिन से जा रहा था जिम

पिता सुग्रीव ने बताया कि आरव आसपास रहने वाले किसी से भी बातचीत नहीं करता था। उसने पांच दिन पहले जिम जाने की इच्छा जताई थी। उसे 11 नंबर स्थित जिम में एडमिशन दिलाया था और जिम जा रहा था और दसवीं का फार्म भरा था। उसके आत्महत्या की बात परिजन के गले नहीं उतर रही है।

भैंस बेचकर लौट रहे किसान को ट्रैक्टर ने कुचला, मौके पर मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित नरसिंहगढ़ रोड पर गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने किसान को कुचल दिया। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हदसा गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास का बताया जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार भीकम सिंह राजपूत पिता विशन सिंह राजपूत (50) गांव बमेला खेड़ली, नजीराबाद में रहते थे। वे खेती किसानी करते थे और साथ ही दूध का भी व्यवसाय करते थे। गुरुवार को वह अपनी भैंस बेचने के लिए निकले थे। उन्होंने भैंस 43 हजार रुपए में बेची और वहां से अपने घर लौट रहे थे। वे पैदल थे। दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास वे नरसिंहपुर रोड पहुंचे थे। उन्हें आगे चलकर बस पकड़नी थी। इसी बीच नरसिंहगढ़ रोड पर गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर का पहिया चढ़ जाने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर कुछ देर के लिए रुका औश्र फिर चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने ट्रैक्टर का वीडियो बना लिया था। वीडियो पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस वीडियो के आधार पर ट्रैक्टर और चालक का पता लगा रही है।

बाइक सवार लुटेरों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर से मारपीट कर ढाई हजार रुपए छीने

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिपलानी के बाद अब बाइक सवार बदमाश राजधानी के अन्य थाना क्षेत्रों में भी सक्रिय हो गए है। बदमाशों ने बुधवार सुबह बुजुर्ग महिला से मंगलसूत्र झपटा फिर कर्मवीर नगर में कारोबारी के बेटे से मोबाइल झपट लिया। बदमाशों ने एक अन्य वारदात बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात कोलार इलाके में की। बदमाशों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर को धक्का देकर बाइक से गिराया फिर चाकू अड़ाकर ढाई हजार रुपए छीन लिए। बदमाशों ने उनसे मारपीट भी की है। शिकायती आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार जयकृष्ण पाल पिता विजय राम पाल (37) डायनेस्टी कॉलोनी, सोहागपुर कोलार में रहते हैं और प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उनका ऑफिस शाहपुरा में है। बुधवार-गुरुवार की रात वह ड्यूटी से घर जाने के लिए निकले। रात करीब एक

बजे सोहागपुर रोड पर उन्हें बाइक सवार ने ओवरटेक किया। उनकी बाइक के पास पहुंचने पर बदमाशों ने धक्का देकर उन्हें गिरा दिया। गिरने के बाद बदमाश ने उनके साथ मारपीट की और गले पर चाकू अड़ा दिया। चाकू की नोक पर बदमाशों ने उनका पर्स छीनकर लिया। पर्स में ढाई हजार रुपए की नगदी सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। घटना के बाद जयकृष्ण डर गए थे। वह घर चले गए। अगले दिन सुबह उन्होंने परिजन को वारदात की जानकारी दी। पड़ोसियों के साथ थाने पहुंचे और शिकायत की। जिसकी जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

ट्रैक्टर ने मारी टक्कर पार्षद का भाई और भांजी सहित भतीजा घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित भूतेश्वर मंदिर बसई के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवक और दो बच्चें घायल हुए है। पार्षद की शिकायत पर पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर चालक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार हरिनारायण कुशवाह (45) वार्ड क्रमांक तीन, बसई बैरसिया में रहते हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि वह बसई के पार्षद है। उनका छोटा भाई प्रकाश कुशवाह और उनकी भांजी निशा कुशवाह सहित भतीजा शिव कुशवाह बैरसिया बाजार गए थे। वहां से लौटते समय रात करीब 9 बजे भूतेश्वर मंदिर बसई के पास ट्रैक्टर का चालक तेजी व लापरवाही पूर्वक ट्रैक्टर चलाकर आया। ट्रैक्टर की रफ्तार देखकर प्रकाश ने बाइक साइड में खड़ी कर दी। बावजूद इसके ट्रेक्टर वाले ने लापरवाहीपूर्वक ट्रैक्टर चलाते हुए बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों को गंभीर रूप से चोट आई है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

फाइल फोटो

10 आदतन अपराधियों के खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अपराधों की रोकथाम और त्योहारों में राजधानी में शांति व सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए न्यायालय पुलिस आयुक्त ने दस आदतन अपराधियों, गुंडे, बदमाशों के खिलाफ जिला बदर के आदेश पारित किए हैं। जिनके खिलाफ शहर के विभिन्न स्थानों में चोरी, छेड़छाड़, तोड़फोड, लोगों को गालियां देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देना, जुआ/सट्टा खेलने एवं खिलाने, तेजी एवं लापरवाही से वाहन चलाने, अवैध हथियार रखने, बलवा, आर्म्स, बलात्कार जुआ-सट्टा, हत्या जैसे विभिन्न मामले दर्ज हैं।

इनके खिलाफ हुई कार्रवाई- -वाहिद अली उर्फ दारू (36) अन्नू नगर करोंद, राजेश कीर उर्फ राजू कीर मल्टी वाजपेयी नगर, ईदगाह हिल्स, पवन संकत इतवारा, निज्जू उर्फ निजाम रोशनपुरा थाना अरेरा हिल्स', दीपक कुशवाह बैरागढ़., दीपक गिरी भीमनगर, दानिश खान कोहेफिजा, चमन उर्फ आकाश कुर्रे वाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स, शाहजहांनाबाद, अंतर साकले वाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स, शाहजहांनाबाद, आकाश बरदेल उर्फ चीनू उर्फ चुन्ना शाहपुरा पर कार्रवाई हुई।

पैरामेडिकल स्टाफ संयुक्त भर्ती परीक्षा-2025 आवेदन की तिथि बढ़ी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत पैरामेडिकल संवर्ग के फिजियोथेरेपिस्ट, काउंसलर, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, नेत्र सहायक एवं ओ.टी. टेक्नीशयन पदों पर नियुक्ति के लिए भर्ती परीक्षा की तारीख में बदलाव किया गया है। पूर्व में ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 अगस्त 2025 निर्धारित की गई थी एवं ऑनलाइन आवेदन पत्र में संशोधन की अंतिम तिथि 02 सितंबर 2025 थी।

नए कार्यक्रम के अनुसार, 13 अगस्त 2025 के परिप्रेक्ष्य में परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने में भरने व संशोधन की अंतिम तिथियां में संशोधन किया गया है। ऐसे आवेदकों को जीवित पंजीयन की प्रक्रिया प्रचलन में होने के दृष्टिगत उनके आवेदन फार्मासिस्ट ग्रेट 2 पद हेतु इस क्षेत्र पर मान्य किए जाएंगे की फार्मासिस्ट ग्रेट 2 के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आयोजित परीक्षा में चयन होने पर वे दस्तावेज के सत्यापन परीक्षण के समय मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसलिंग, भोपाल का जीवित पंजीयन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएंगे।

बीयू ने जारी किए ट्रांसफर और स्टेटस चेंज के लिए दिशा-निर्देश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के ट्रांसफर और स्टेटस चेंज के लिए दिशा-निर्देश जारी किए है। जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय से संबद्ध उन सभी विद्यार्थियों के लिए है दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं जो ट्रांसफर अथवा स्टेटस चेंज करना चाहते हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु प्रदेश के पारम्परिक विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी शिक्षण संस्थाओं में द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में स्थानांतरण तथा नियमित से स्वाध्यायी एवं स्वाध्यायी से नियमित परीक्षा का स्टेटस परिवर्तन किये जाने हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन शुल्क 300 रूपए के साथ प्रस्तुत करने पर स्वीकार किये जावेंगे। नियमित से स्वाध्यायी छात्र परीक्षा फार्म भरने तक अपना स्टेटस बदल सकते हैं।

विशेष पुलिस महानिदेशक ने स्मृति चिन्ह भेंट किए

विभिन्न शाखाओं से तीन सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को विदाई

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह अगस्त में सेवानिवृत्त हुए तीन कर्मचारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गए।

नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में पुलिस महानिरीक्षक डॉ आशीष एवं अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण शाखा नवाब खान, कार्यवाहक आंकिक/सूबेदार (एम) विशेष शाखा जगदीश नारायण शर्मा तथा कार्यवाहक उप निरीक्षक विशेष शाखा बुद्धेसिंह बघेल को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक इरमीन शाह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

मेट्रो एंकर बैरसिया से बस पकड़कर आए थे भोपाल, देवकी नगर रेलवे ट्रैक पर की आत्महत्या

शादी के दो महीने बाद ही किराना व्यापारी ने ट्रेन से कटकर दी जान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित देवकी नगर रेलवे ट्रैक पर बैरसिया के किराना व्यापारी ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। वे शुक्रवार सुबह आठ बजे ही बैरसिया से भोपाल बस के माध्यम से पहुंचे थे। इसके बाद देवकी नगर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गए।

प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। हालांकि उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। परिजन के बयान के बाद ही आत्महत्या के कारण का पता चल सकेगा।

एसआई अशोक शर्मा ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली थी कि किसी युवक की लाश देवकी नगर रेलवे ट्रैक पर पड़ी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मृतक के पास मोबाइल मिला। पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। इसी बीच मोबाइल पर कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम बृजेश शर्मा बताया। उसे घटना की जानकारी दी। पूछताछ में उसने बताया कि मृतक उनका छोटा भाई राजेश शर्मा पिता बद्रीप्रसाद शर्मा (37) निवासी मंगलगढ़, थाना नजीराबाद है। राजेश बैरसिया बस स्टैंड पर किराने की दुकान चलाता था। सुबह आठ बजे ही वह बस से भोपाल पहुंचा था। यह भी बताया गया कि राजेश की दो महीने पहले शादी हुई थी। राजेश की आत्महत्या की बात परिजन के गले नहीं उतर रही है।

नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले को 4 साल की सजा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर बेरोजगार युवकों से लाखों की ठगी करने वाले शैलेंद्र कुमार यादव को 4 साल के सश्रम कारावास और सात हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश विवेक सक्सेना ने अन्य आरोपी रीना परमार, मनोज गुप्ता, महेंद्र राय और मुनेश को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। अपर जिला लोक अभियोजक संतोष शर्मा ने बताया कि क्राइम ब्रांच थाना भोपाल ने फरियादी भोजराज परमार की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था।

इस मामले की जांच के दौरान अन्य 20 युवकों ने भी सामने आकर अपनी शिकायत में आरोपी शैलेंद्र यादव और उसके साथियों पर उनसे लाखों रुपयों लेकर सरकारी नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र देकर फरार होने की बात बताई थी। आरोपी ने किसी युवक से 30 हजार तो किसी से 40 हजार और किसी से 50 हजार रुपए लेकर उन्हें सरकारी नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र थमाए और फरार हो गए थे। क्राइम ब्रांच थाना भोपाल ने धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को अरेस्ट कर जेल भेज दिया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022